mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-102 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
13 अक्टूबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

रन आउट खेल का...
@ पेज 7

असदुद्दीन ओवैसी ने फिर किया 'ऑपरेशन सिंदूर' का समर्थन

बोले- देश के लिए गए थे, पीएम के लिए नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भारत द्वारा किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान बार-बार गलतियां करता है, इसलिए भारत को सतर्क रहना होगा। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा देश के पक्ष में खड़ी है और उन्होंने विदेश में जाकर देश की बात रखी, न कि प्रधानमंत्री के लिए। ओवैसी उन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल थे जिन्हें भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद साझेदार देशों में भेजा था ताकि दुनिया को भारत की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस नीति के बारे में बताया जा सके।

देश के लिए गए थे, प्रधानमंत्री के लिए नहीं- ओवैसी ने कहा कि हम हमेशा देश का पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। हम प्रधानमंत्री के लिए नहीं, देश के लिए गए थे। जब पहलगाम में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ, तो यह स्वाभाविक था कि देश की ओर से एकजुट होकर

संवैधानिक सुरक्षा उपायों ने सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर सुनिश्चित किए : बीआर गवई

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्याय का सच्चा अर्थ, सबसे कमजोर व्यक्ति की रक्षा में है। कानून का शासन निष्पक्षता, गरिमा और समानता के साधन के रूप में कार्य करना चाहिए। अपना उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवन समानता की परिवर्तनकारी ताकत को दिखाता है। हाशिए पर पड़े समुदाय में जन्म लेने के बाद कैसे संवैधानिक सुरक्षा उपायों ने न केवल सुरक्षा बल्कि सम्मान, अवसर

जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। रविवार को जारी सूची में तीन उम्मीदवारों के नाम हैं जिनमें गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और शत शर्मा शामिल हैं।

शत शर्मा वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख हैं। वे तीसरी अधिसूचना के तहत राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे, जहाँ भाजपा को नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के सत्तारूढ़ गठबंधन पर संख्यात्मक रूप से बढ़त हासिल है। जिस सीट से शर्मा चुनाव लड़ेंगे, उस पर भाजपा के पास 28 वोट हैं, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन के पास 24 वोट हैं।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को पिछले 24 घंटों के दौरान गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एवं अन्य एक अभियान में भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि सुरक्षा बलों ने थौबल जिले के याइरीपोक थानांतर्गत याइरीपोक बाजार से केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान थौबल जिलांतर्गत याइरीपोक लीरोंगथेल माखा लीकाई निवासी खुमानथेम नाओचा (33) के रूप में की गयी है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के बिष्णुपुर थानांतर्गत बिष्णुपुर वार्ड नंबर 6 से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सक्रिय कैडर मोइरंगथेम मोहन सिंह उर्फ परी (42) को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक एसएम कार्बाइन और एक मैगजीन, दो एके सीरिज के मैगजीन, 24 राउंड एके सीरिज के कारतूस, एक छद्म टी-शर्ट और एक मोबाइल और 2 सिम कार्ड बरामद किया गया है।

इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग थानांतर्गत ओम्बा हिल क्रॉसिंग क्षेत्र से केसीपी (ताइबांगनबा) के एक सक्रिय कैडर, बिष्णुपुर जिले के चांदपुर मयाई लीकाई निवासी हेइसनम सनाथोई मैतेई उर्फ नानाओ (36) को गिरफ्तार किया। वह मोइरांग क्षेत्र में जनता से जबरन वसूली में शामिल था। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया। जबकि, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई थानांतर्गत खोंगाखुल और लोंगा कोइरेंग गांवों को जोड़ने वाले नगैरंगबाम लौकोन आईवीआर से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया। बरामद हथियारों में एक .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, एक संशोधित .303 राइफल एक मैगजीन के साथ, पांच पिस्तौल एक-एक मैगजीन के साथ, पांच हेलमेट, चार बीपी वेस्ट कम मैगजीन पाउच, आठ प्लेटें जिनके बीपी के रूप में इस्तेमाल होने का संदेह है, एक बाओफेंग हैंड हेल्ड सेट अपने चार्जर के साथ, 10 जोड़ी छलावरण पैंट और संबंधित छलावरण शर्ट और चार बैग शामिल हैं।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आरक्षणः

हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी सरकार, कांग्रेस को लगा है झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 फीसदी आरक्षण देने वाले सरकारी आदेश (जीओ) पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट की अंतरिम रोक के बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों, तेलंगाना में एआईसीसी की पार्टी मामलों की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन और कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी के साथ आगे की कार्रवाई पर चर्चा की।

कांग्रेस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि सरकार पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करना चाहती है और जल्द ही इस आदेश को लागू कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी।

इस बीच, राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि आयोग हाईकोर्ट के आदेश का अध्ययन कर रहा है। आयोग अपने आगे के कदमों को अंतिम रूप देने के लिए कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेगा। हाईकोर्ट ने नौ अक्तूबर को स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने वाले आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कोर्ट के इस रोक आदेश के बाद तेलंगाना राज्य निर्वाचन आयोग ने उसी दिन घोषणा की कि 29 सितंबर को ग्रामीण स्थानीय निकाय चुनावों के लिए जारी मतदान सूचना और अन्य गतिविधियां तब तक स्थगित रहेंगी, जब तक आगे कोई सूचना नहीं आती।

8 पैकेट जहर खाकर मां-4 बच्चों ने किया सुसाइड,सीकर में फ्लैट में सड़ चुकी थी लाशें

इत्र छिड़ककर अंदर घुसी पुलिस

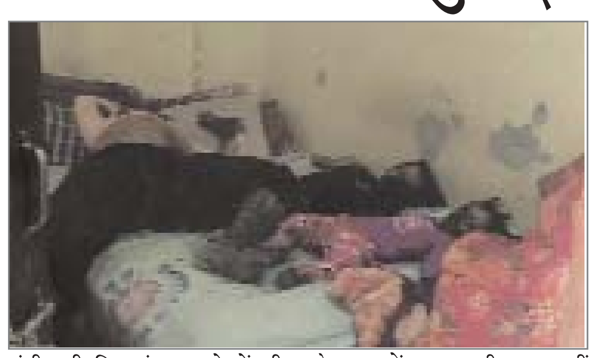

सीकर, एजेंसी। सीकर में एक परिवार के 5 लोगों ने सामूहिक सुसाइड कर लिया। मां ने 3 बेटों और 1 बेटी के साथ फ्लैट में जहर खाकर जान दे दी। घटनास्थल पर जहर के 10 पैकेट मिले हैं, इनमें से 8 का यूज किया गया। मौके से एक लिक्विड जहर भी पुलिस को मिला है। पति से अनबन के चलते महिला किरण उर्फ पिंकी चौधरी (40) 3 बेटों सुमित (18), आयु (4), अवनीश (2.5) और बेटी स्नेहा (13) के साथ पालवास रोड स्थित अनिरुद्ध रेजिडेंसी में रह रही थी। फ्लैट 1 सप्ताह से ज्यादा समय से बंद था और उससे बदबू आ रही थी। बिल्डिंग में रहने वाले अन्य लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गेट खोलकर अंदर घुसी तो 5 शव मिले, जो सड़ चुके थे और काले पड़ गए थे।

इत्र छिड़ककर फ्लैट में घुसी पुलिस टीम :सीओ धोद सुरेश शर्मा ने बताया- फ्लैट से बदबू आ रही थी। स्थिति इतनी गंभीर थी कि अंदर घुसने में भी कठिनाई हो रही थी। बदबू को कम करने के लिए अगरबत्ती और इत्र का उपयोग किया गया, इसके बाद पुलिस टीम अंदर जा पाई। सुसाइड के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सभी के शव करीब 5 दिन पुराने हैं। जिस तरह बॉडी पड़ी थी, उससे लगता है कि रात के समय खाने की किसी चीज में जहर मिलाया गया हो। मौके से आटा और कई अन्य सामान भी सबूत के रूप में लिए हैं।

बच्चों के साथ किराए के फ्लैट में रह रही थी :जानकारी के अनुसार, किरण निवासी मुंडवाड़ा (सीकर) ने साल 2006 में अपने गांव के ही नेमीचंद से शादी की थी। घरवालों ने किरण का रिश्ता तय कर दिया था, लेकिन उसने घर से भागकर नेमीचंद से लव मैरिज कर ली थी। दोनों के एक बेटा सुमित और बेटी स्नेहा थी। किरण 2018 में गांव छोड़कर किसी युवक के साथ सीकर में रहने लगी। 2019 में अपने पति नेमीचंद को तलाक दे दिया था। सीकर में रहने के दौरान किरण का संपर्क शैलेश निवासी झुंझुनूं से संपर्क हुआ और दोनों ने शादी कर ली। दोनों के 2 बेटे आयु और अवनीश थे।

दूसरे पति के खिलाफ रेप केस दर्ज कराया था :पिछले साल किरण ने अपने पति शैलेश के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज करवा दिया। जब पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि किरण ने उससे शादी की थी और उनके 2 बच्चे भी हुए। पुलिस इन्वेस्टिगेशन में मामला भी झूठा पाया गया। तब से किरण बच्चों के साथ किराए के फ्लैट में रह रही थी। करीब 1 साल से वह शैलेश के कॉन्टैक्ट में भी नहीं थी।

बंगाल मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप केस 3 आरोपी गिरफ्तार, 2 फरार

● पीड़ित का दोस्त भी हिरासत में ; मोबाइल टावर लोकेशन से चला रेपिस्ट्स का पता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। 2 आरोपी अभी भी फरार हैं। सभी पास के गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास पीड़ित का मोबाइल था। इससे कॉल किया गया था। टावर लोकेशन से आरोपियों की जानकारी मिली। पुलिस के मुताबिक, घटना कोलकाता से 170 किमी दूर दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज के ठीक सामने 10 अक्टूबर की रात 8 से 10 बजे के बीच हुई। पीड़ित अपने दोस्त के साथ डिनर के लिए निकली थी। कैंपस गेट पर 3 युवक खड़े थे। पीड़ित के मुताबिक, युवकों ने उसका मोबाइल छीना, फिर बाल पकड़कर कैंपस गेट के सामने जंगल में घसीटकर ले गए। तीनों ने उसका रेप किया। इस दौरान उसका दोस्त वहां से भाग गया था। पुलिस ने बताया, पीड़ित ओडिशा की रहने वाली है और एमबीबीएस 2nd ईयर की स्टूडेंट है। डिप्टी मजिस्ट्रेट और दुर्गापुर SDO रंजना रॉय ने पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने कहा- छात्रा का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। उसकी हालत स्थिर है। उसका परिवार साथ है। लड़की के दोस्त और उसके साथियों इसके शामिल होने के आरोप परिवार ने लगाए हैं। पीड़ित के दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दुर्गापुर गैंगरेप मामले में ममता का अजीबोगरीब बयान, कहा-दूसरे राज्यों से आई लड़कियों को देर रात बाहर नहीं जाना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में ओडिशा की मेडिकल छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजीबोगरीब बयान दिया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन को चुस्त करने के बजाय उन्होंने नसीहत दी है कि दूसरे राज्यों से बंगाल आई लड़कियों को रात के समय बाहर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं, खासकर राज्य के बाहर से आने वाली लड़कियों को रात में बाहर नहीं जाना चाहिए और हॉस्टल के नियमों का पालन करना चाहिए। विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। ममता बनर्जी ने रविवार को कोलकाता हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कहा, यह एक चौंकाने वाली घटना है। हमारी सरकार का ऐसे अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता का रुख है। तीन आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं और बाकी की तलाश जारी है। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्राएं हॉस्टल में रहती हैं, खासकर जो बंगाल के बाहर से पढ़ने आई हैं, उन्हें हॉस्टल के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्हें देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए, भले ही उन्हें कहीं जाने का मौलिक अधिकार हो।

चिदंबरम बोले- ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत तरीका था,ये केवल इंदिरा गांधी का फैसला नहीं था

उन्होंने इसकी कीमत जान देकर चुकाई

कसौली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा, जून 1984 में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाया गया ऑपरेशन ब्लू स्टार गलत तरीका था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस गलती की कीमत अपनी जान देकर चुकाई। हालांकि, यह फैसला अकेले इंदिरा गांधी का नहीं था। इसमें आर्मी, पुलिस, इंटेलिजेंस और प्रशासनिक अफसर भी शामिल थे। ऑपरेशन ब्लू स्टार पर बीते 6 महीने दूसरी बार बड़ा बयान आया है। इससे पहले 4 मई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वे कहते नजर आए थे कि 1984 का ऑपरेशन ब्लू स्टार गलती थी। जो भी गलतियां 80 के दशक में कांग्रेस से हुई, मैं जिम्मेदारी लेने को तैयार हूं।

खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए थे चिदंबरम : इंडिया एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, चिदंबरम शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कसौली पहुंचे थे। यहां 'खुशवंत सिंह लिटरेचर फेस्टिवल' में पत्रकार हरिंदर बावेजा की किताब They Will Shoot You, Madam की चर्चा में शामिल हुए। बावेजा के कमेंट- इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के अपने फैसले की कीमत अपनी जान देकर चुकाई।

चिदंबरम बोले- पंजाब की असली समस्या उसकी आर्थिक स्थिति : चिदंबरम ने बुक की चर्चा के दौरान कहा कि मेरे पंजाब दौरों के दौरान मुझे महसूस हुआ कि खालिस्तान या अलगाव की राजनीतिक मांग अब लगभग खत्म हो चुकी है। आज की मुख्य समस्या आर्थिक है सबसे अधिक अवैध प्रवासी पंजाब से ही हैं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार के लिए इंदिरा गांधी को दोष मुक्त नहीं किया जा सकता, सिरसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को एक्स पर वीडियो पोस्ट करके कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दोष मुक्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने सिखों के पवित्र स्थान पर तोप के गोलों से हमला कराया था। सिख समुदाय उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। मंत्री सिरसा ने कहा कि जब पी चिदंबरम जैसे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता यह स्वीकार करते हैं कि ऑपरेशन ब्लू स्टार श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) में प्रवेश करने का एक गलत रास्ता था, तो यह कांग्रेस की उस ऐतिहासिक भूल को उजागर करता है जिसने सिख समुदाय को गहरा आघात पहुंचाया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी से दोष हटाने का पी चिदंबरम का प्रयास अस्वीकार्य है। मंत्री सिरसा ने कहा कि सिखों के सबसे पवित्र धर्मस्थल स्वर्ण मंदिर को अपवित्र करने का आदेश देने की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी किसी और की नहीं, बल्कि उस समय के राजनीतिक नेतृत्व की है। उन्होंने कहा कि न्याय अर्धसत्य या चुनिंदा अपराधबोध से नहीं मिलता। आदेश देने वालों को दोषमुक्त करने के लिए इतिहास को दोबारा नहीं लिखा जा सकता।

ट्रम्प की मौजूदगी में होगी इजराइली बंधकों की रिहाई,मिस्र में 20 से ज्यादा देशों के नेता जुटेंगे ; हमास का शामिल होने से इनकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। गाजा सीजफायर समझौते के पहले चरण के तहत 48 बंधकों की रिहाई सोमवार सुबह से शुरू हो सकती है, जिनमें से 20 जीवित व्यक्ति और 28 शव सौंपे जाएंगे। इजराइली सेना ने शुक्रवार दोपहर तक गाजा से अपनी प्रारंभिक वापसी पूरी कर ली, जिसके बाद हमास को 72 घंटे का समय दिया गया है। वहीं, सोमवार को मिस्र में गाजा युद्ध समाप्त करने के समझौते पर चर्चा होगी। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सहित 20 से अधिक विश्व नेता भाग लेंगे। दूसरी ओर, हमास ने मिस्र में सोमवार को होने वाले गाजा पीस समिट के आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह (दूसरा चरण) में शामिल होने से इनकार कर दिया है। संगठन के वरिष्ठ नेता होस्साम बडरान ने कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की योजना के कुछ हिस्सों से असहमत हैं।

अफगानिस्तान का दावा- 58 पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए

25 चौकियों पर कजा भी किया; कहा- आईएसआईएस के आतंकियों को पनाह दे रहा पाकिस्तान

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसकी सेना ने शनिवार रात को पाकिस्तान सीमा पर हुई झड़प में 58 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई उल्लंघन के जवाब में की गई।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की 25 सैन्य चौकियां कब्जे में ले ली हैं। इस कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जबकि 30 अन्य घायल हुए हैं।

अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा- हमारा ऑपरेशन आधी रात को खत्म हो गया। अगर पाकिस्तान ने फिर से अफगानिस्तान सीमा का उल्लंघन किया, तो हमारी सेना देश की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान पर राजधानी काबुल और देश के पूर्वी इलाके के एक बाजार पर बमबारी करने का आरोप लगाया था। हालांकि, पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली थी।

पाकिस्तान पर ISIS के आतंकियों को पनाह देने का आरोप :तालिबान ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि वह अपनी जमीन पर ISIS के आतंकियों को शरण दे रहा है। मुजाहिद ने इन आतंकियों को अफगानिस्तान समेत पूरी दुनिया के के लिए खतरा बताते हुए उन्हें पाकिस्तान से निकालने या अफगानिस्तान के हवाले करने के लिए कहा। तालिबान प्रवक्ता ने बताया कि अफगानिस्तान ने अस्थिरता फैलाने वाले सभी तत्वों को खत्म कर दिया था, लेकिन अब उनके नए ठिकाने पाकिस्तान के पख्तूनख्वा इलाके में बना दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन ठिकानों पर कराची और इस्लामाबाद एयरपोर्ट के जरिए नए लड़ाकों को लाया जा रहा है और यहीं पर उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। मुजाहिद ने यह भी दावा किया कि ईरान और रूस में हुए हमलों की योजना भी इन्हीं पाकिस्तानी ठिकानों से बनाई गई थी।

पाक बोला- भारत की तरह मुंहतोड़ जवाब देंगे :पाकिस्तानी गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अफगानिस्तान को भी भारत की तरह मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, ताकि वह पाकिस्तान की ओर बुरी नजर से देखने की हिम्मत न कर सके।

जमानत लेकर फरार हो गया था एम. फिल. डिग्रीधारी शातिर तरीके से देता था लूट को अंजाम; पुलिस ने दबोचा

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एमएससी और एम.फिल. पास एक लुटेरे को गिरफ्तार किया है। आरोपी डीयू के किरोड़ीमल कॉलेज का छात्र रहा है। उसने कॉलेज से बीएससी ऑनर्स किया हुआ है। आरोपी की पहचान हरिनगर, सोहना गुरुग्राम निवासी दीप शुभम (32 वर्ष) के रूप में हुई है।

वर्ष 2017 में आरोपी ने अकेले ही सीतामढ़ी बिहार में बैंक ऑफ इंडिया पर धावा बोलकर वहां से कैश लूट लिया था। लूटपाट के दौरान आरोपी ने रसायन विज्ञान का इस्तेमाल करते हुए पटाखों के साथ कोई केमिकल मिलाकर धुएं वाला बम तैयार किया। उसकी मदद से वारदात को अंजाम दिया गया। इस मामले में आरोपी को सजा हो गई थी।

सूचना के आधार पर पुलिस ने दबोचा: आरोपी जमानत लेकर दिल्ली आ गया और कभी कोर्ट का रुख नहीं किया। दिल्ली आने के बाद वर्ष 2021 में आरोपी ने अलग-अलग दो ज्वेलर को निशाना बनाकर लूटपाट की। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बाद में वह जमानत पर बाहर आ गया। यहां भी उसने कभी कोर्ट का रुख नहीं किया। अदालत ने इसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि नौ अक्तूबर को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन इलाके में दो ज्वेलर के यहां हुई लूट के मामले में फरार बदमाश हरिनगर, गुरुग्राम आने वाला है। खबर मिलते ही फौरन एक टीम का गठन किया गया। बाद में आरोपी को दबोच लिया गया।

इन मामलों में थी आरोपी की पुलिस को तलाश: छानबीन के दौरान पुलिस 17 सितंबर 2021 को आरोपी ने मॉडल टाउन के गुजरावाला स्थित बी-ब्लॉक में नामी ज्वेलर के यहां लूटपाट की। आरोपी पिस्टल लेकर ज्वेलर के दफ्तर में घुस गया। वहां आरोपी ने उत्तम नगर निवासी महिला कर्मचारी मनमीत गुलेरिया को बंधक बनाकर लूटपाट की। आरोपी ने वहां से 6.06 लाख रुपये लूट लिए। बाद में जाते समय आरोपी ने मनमीत व सुरक्षा गार्ड को एक जगह बंधक बनाकर उनके मोबाइल फोन भी लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। इसी तरह आरोपी ने 25 अक्तूबर 2021 को गुजरावाला टाउन में ही एक अन्य ज्वेलरी शोरूम से महिला कर्मचारी राशिका को बंधक बनाकर 70 हजार रुपये लूट लिए। बाद में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों मामलों में जमानत लेने के बाद आरोपी ने कभी अदालत का रुख नहीं किया और पुलिस से बचने के लिए सोहना, गुरुग्राम में रहने लगा। बिहार बैंक लूट के मामले में आरोपी को सजा हो गई थी। अदालत से मामले में जमानत लेकर आरोपी दिल्ली भाग आया था।

पिता कारोबारी, भाई इंजीनियर और आरोपी खुद भी एम.फिल. पास: बिहार के सीतामढ़ी में पैदा हुआ दीप शुभम परिवार के साथ 1990 के दशक में दिल्ली के बुराड़ी आकर बस गया। इसके पिता ने दिल्ली आकर अपना कारोबार शुरू कर दिया। भाई भी इंजीनियर बन गया। नानी के यहां रहकर आरोपी ने बिहार के नामी स्कूल से 12वीं कक्षा पास की। बाद में वह दिल्ली आ गया। दिल्ली आने के बाद उसने नॉर्थ कैंपस के मशहूर कॉलेज किरोड़ीमल में बीएससी ऑनर्स रसायन विज्ञान में 2012 में दाखिला लिया। बाद में आरोपी ने डीयू से ही एमएससी और एम.फिल. रसायन विज्ञान से कर लिया।इसके बाद उसने क्लैट का टेस्ट पास करने के बाद आंध्र प्रदेश के एक कॉलेज में एलएलबी में दाखिला ले लिया।

बैंक ऑफ इंडिया में की थी लूटपाट: एक साल वहां पढ़ाई करने के बाद वह वापस दिल्ली आ गया। यहां आकर इसने दोबारा किरोड़ीमल कॉलेज में एमए इंग्लिश में दाखिला ले लिया। इसके बाद आरोपी ने नोएडा के एक नामी कॉल सेंटर में नौकरी शुरू की। आरोपी की आर्थिक स्थिति खराब होने लगी। परिवार ने इसकी मदद नहीं की। इस वजह से आरोपी ने अपराध की दुनिया में कदम रख दिया। 2017 में आरोपी ने सीतामढ़ी बिहार में बैंक ऑफ इंडिया में धुएं वाला बम फेंककर वहां लूटपाट की। वहां से 3.60 लाख लूटकर आरोपी फरार हो गया। मामला चूंकि बहुत हाईलाइट हुआ। बिहार पुलिस ने आरोपी को दिल्ली के बुराड़ी से दबोच लिया। इस मामले में उसे सजा भी हो गई।

दिल्ली हाफ मैराथन 2025 : 40 हजार से अधिक प्रतिभागियों के साथ दौड़ी राजधानी

फिट इंडिया संदेश हुआ मजबूत

दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 के 20वें संस्करण को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी मौजूद रहे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सम्मानित किया। स दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने कहा कि वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन, जो 2005 में शुरू हुई थी, अब 20 वर्ष पूरे कर चुकी है। लोगों में इसका बहुत उत्साह है, मैं तीसरी बार इसमें भाग ले रहा हूं। यहां का माहौल वाकई बहुत सुंदर है। इसमें 40,000 से अधिक लोग भाग ले रहे हैं, जिनमें 10,000 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। यह एक बेहद सकारात्मक पहलू है। यह इस बात का संदेश देता है कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'फिट इंडिया' आह्वान के कारण आज लोग खेलों में अधिक से अधिक भाग लेना और फिट रहना चाहते हैं।

फर्जी पासपोर्ट से भरी उड़ान, यूएई से डिपोर्ट होकर भारत में फंसा; धोखाधड़ी में गिरफ्तार... पूछताछ जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्लैक लिस्ट किए जाने के सात साल बाद एक व्यक्ति दूसरे नाम से पासपोर्ट बनवाकर यूएई पहुंच गया। एयरपोर्ट पर तकनीकी जांच के जरिए फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया। यूएई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उसे तुरंत भारत निर्वासित कर दिया। आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचने पर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने फर्जीवाड़ा का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी यात्री से पूछताछ कर फर्जीवाड़े में शामिल आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

सात अक्तूबर की देर रात पंजाब के जालंधर का रहने वाला सतनाम नाम का व्यक्ति यूएई से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचा। उसके पास पासपोर्ट था। दस्तावेजों की जांच में पता चला

कि यूएई में ब्लैकलिस्ट होने की वजह से उसे वहां प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। लेकिन उसके पासपोर्ट की जांच में पता चला कि उसने इससे पहले यूएई की यात्रा नहीं की थी। शक होने पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने यात्री से पूछताछ की। सतनाम ने खुलासा किया कि उसका असली नाम नसतार है। उसने नसतार नाम से पासपोर्ट बनाकर यूएई गया था, लेकिन अवधि से अधिक वहां रुकने की वजह से उसे पकड़ लिया गया और बाद में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। 2017 में वह इमरजेंसी सर्टिफिकेट पर वापस भारत आया। आजीविका के लिए वह वहां दोबारा यूएई जाना चाहता था, लेकिन ब्लैकलिस्ट होने की वजह से उसे नसतार के नाम से वीजा नहीं मिला। उसके बाद उसने एजेंटों के जरिए सतनाम नाम से दूसरा पासपोर्ट बनवाया और इसमें अपने माता-पिता और पत्नी की अलग अलग जानकारी दी।

पिछले पासपोर्ट को छुपाकर वह नए पासपोर्ट के जरिए भारतीय इमिग्रेशन को धोखा देकर यूएई पहुंच गया। इस बात की जानकारी होने के बाद इमिग्रेशन अधिकारी ने यात्री को आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस के हवाले कर दिया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने पुलिस को यात्री के सारे दस्तावेज सौंप दिए।

ट्रंप की नीतियों से परेशान होकर अमेरिका छोड़ने को मजबूर हो रहे नोबेल विजेता अर्थशास्त्री

जेनेवा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अपने ही देश के लिए घातक होने लगीं हैं। यहां के बड़े-बड़े विषय विशेषज्ञ और थिंक टैंक कहे जाने वाले दिग्गज अमेरिका छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। ट्रंप की नई नीतियों में अमेरिकी कॉलेजों, यूनिवर्सिटीज और रिसर्च प्रोजेक्ट्स के फंडिंग में भारी कटौती की गई है। कई कॉलेज्स अब फंडिंग की कमी से जूझ रहे हैं, इसकी वजह से पीएचडी छात्रों की संख्या कम हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने 6.9-8.2 बिलियन डॉलर के ग्रांट्स रद्द कर दिए है। यूनिवर्सिट ऑफ ज्यूरिख (यूज़ेडएच) ने जानकारी देते हुए कहा कि ये कपल मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में अपने रिसर्च को छोड़कर अगले साल जुलाई से उनके अर्थशास्त्र विभाग में शामिल होंगे। हालांकि, यूनिवर्सिट ऑफ ज्यूरिख ने ये नहीं बताया कि कपल आखिर अमेरिका क्यों छोड़ रहा है। मगर, बात डोनाल्ड ट्रंप की फंडिंग

की कटौती वाली नीति पर ही आकर रुक जाती है, जिसे उनकी टीम लगातार वेस्टफुल स्पेंडिंग बताती रही है। ट्रंप की नई नीतियों की वजह से कई अमेरिकी देश छोड़ कर दूसरे देशों के यूनिवर्सिटी में अपना रिसर्च शिफ्ट करने की कोशिश में लगे हैं। फंडिग की कमी की वजह से ही भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक और अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और उनकी पत्नी एस्टर डुफ्लो मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) छोड़ कर ज्यूरिख विश्वविद्यालय का रूख किया है। यहां पर वे फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स का केंद्र स्थापित करेंगे। बनर्जी और डुफ्लो ऐसे समय में स्विट्जरलैंड जा रहे हैं, जब एक्सपर्ट अमेरिका में प्रतिभा के पलायन (ब्रेन ड्रेन) की चेतावनी दे रहे हैं। वहीं, कुछ देश अमेरिकी वैज्ञानिकों और रिसर्चरों को लुभाने में जुट गए हैं। बताते चलें कि हाल ही में बनर्जी की पत्नी डुफ्लो, जो कि अमेरिकी-फ्रांसीसी दोहरी नागरिकता वाली हैं, ने इसी साल मार्च में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को अमेरिकी विज्ञान के खिलाफ बताते हुए कॉलम लिखा था। हालांकि, इस बारे में कहीं पर जिक्र नहीं है कि आखिर कपल अमेरिका क्यों छोड़ रहा है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिख के प्रेसिडेंट माइकल शेपमैन ने कहा, 'हमें खुशी है कि दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली अर्थशास्त्री यूज़ेडएच में शामिल हो रहे हैं।' उधर, यूजेडएच ज्वाइन करने को लेकर डुफ्लो ने जानकारी दी कि वह एमआईटी से पार्ट टाइम जुड़ी रहेंगी ताकि हमारे काम और रिसर्च को विस्तार मिल सके। उन्होंने कहा कि इसकी वजह से रहने का मौका मिलेगा।

इमरान खान की पार्टी में पड़ी फूट, अपने ही सीएम के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की थी तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। लंबे समय से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई में फूट पड़ गई है। एक समय इमरान खान के करीबी अली अमीन गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य में पीटीआई की सरकार है और अली अमीन गंडापुर इसके सीएम थे।

अली अमीन गंडापुर और पीटीआई नेतृत्व में बढ़ गए थे मतभेद: हालांकि बीते काफी समय से पीटीआई नेतृत्व और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद बढ़ गए थे। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों की घटनाएं भी काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में अली अमीन गंडापुर से इस्तीफा देने की मांग की जा रही थी। पार्टी ने अपने ही सीएम अली अमीन गंडापुर को पद से हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन उससे पहले ही शनिवार को गंडापुर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद पीटीआई ने भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के विचार को छोड़ दिया।

गंडापुर और इमरान खान की बहन में हैं मतभेद :पीटीआई ने अली अमीन गंडापुर की जगह एमपीए सोहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा को नया सीएम बनाने का एलान किया है। पीटीआई संस्थापक इमरान खान के आदेश पर सोहेल अफरीदी का नया सीएम बनाया जा रहा है। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने पीटीआई में जारी अंतर्कलह को उजागर कर दिया है। दरअसल इमरान खान की बहन अलीमा खान और अली अमीन गंडापुर के बीच मतभेद हैं और अलीमा ने अली अमीन गंडापुर पर आर्मी के साथ मिलकर पीटीआई पार्टी को कब्जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। वहीं गंडापुर ने अमीना पर पार्टी को तोड़ने का आरोप लगाया था। अब पीटीआई ने खैबर पख्तूनख्वा में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए अली अमीन गंडापुर को सीएम पद से हटाने का फैसला किया। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा में पीटीआई की एक नेता का भी अपहरण कर लिया गया था। उसके बाद भी पीटीआई समर्थकों ने अली अमीन गंडापुर की आलोचना की थी।

मिस्र के शर्म अल-शेख में रिसॉर्ट जाते समय कार दुर्घटना में कतर के तीन राजनयिकों की मौत

मिस्र, एजेंसी। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, शर्म अल-शेख शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और इसकी सह-अध्यक्षता मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। मिस्र के लाल सागर स्थित शर्म अल शेख में रिसॉर्ट जाते समय शनिवार को एक कार दुर्घटना में कतर के तीन राजनयिकों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि शर्म अल-शेख से लगभग 50 किलोमीटर (31 मील) दूर एक वाहन के पलट जाने से दो अन्य

राजनयिक घायल हो गए। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कतर की प्रोटोकॉल टीम के ये राजनयिक हमास और इजराइल के बीच युद्ध विराम समझौता होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित एक उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन से पहले शहर जा रहे थे। कतर ने मिस्र और अमेरिका के साथ मिलकर युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता की थी। तुर्किये भी इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में हुई वार्ता में शामिल हुआ। इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता लागू होने के बाद बंधकों और सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया गया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, शर्म अल-शेख शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और इसकी सह-अध्यक्षता मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे। बयान में बताया गया है कि इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति सहित दुनिया के दो दर्जन से अधिक नेता शामिल होंगे।

अमेरिका के टेनेसी में विस्फोटक सामग्री के संयंत्र में हुए धमाके में 16 लोगों की मौत : शेरिफ

टेनेसी, एजेंसी। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 60 मील (97 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र में जंगली पहाड़ियों पर फैली आठ इमारतों वाले कारखाने में विस्फोटक और गोला-बारूद का प्रसंस्करण करती है। अमेरिका में टेनेसी के एक ग्रामीण क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री के एक संयंत्र में विस्फोट होने से 16 लोगों की मौत हो गई और कोई जीवित नहीं बचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हम्फ्रेज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने बताया कि सेना के लिए विस्फोटकों की आपूर्ति करने वाली कंपनी 'एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स' के संयंत्र में शुक्रवार सुबह विस्फोट हुआ जिससे कम से कम आधा मील (800 मीटर) क्षेत्र में मलबा बिखर गया और 15 मील (24 किलोमीटर) से अधिक दूर तक के निवासियों ने भी इसे महसूस किया। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। डेविस ने बताया कि 16 लोग लापता हैं और बचाव अभियान के दौरान कोई जीवित नहीं मिला। घटनास्थल की फुटेज में शुक्रवार को पहाड़ी पर स्थित इस फैक्टरी के ऊपर धुंआ ही धुंआ नजर आया। वहां केवल नष्ट हुई धातु का ढेर, कारों के जले हुए खोल और मलबा है। डेविस ने इसे अब तक देखे गए सबसे बुरे दृश्यों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि अधिकारी घटनास्थल की जांच कर रहे हैं। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, वह नैशविले से लगभग 60 मील (97 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में बक्सनॉर्ट क्षेत्र में जंगली पहाड़ियों पर फैली आठ इमारतों वाले कारखाने में विस्फोटक और गोला-बारूद का प्रसंस्करण करती है।

ताज का दीदार करेंगे 30 से ज्यादा देशों के सेना प्रमुख, दिल्ली में 14 से 16 अक्तूबर तक होगा सम्मेलन

दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना 14 से 16 अक्तूबर तक नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन की मेजबानी करेगी, जिसमें 30 से अधिक देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सहयोग और संवाद को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही, प्रौद्योगिकी के जरिये शांति अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ाने पर विचार होगा। भारत यात्रा के दौरान ये सभी सैन्य अधिकारी ताजमहल का दीदार करने पहुंचेंगे।

राजधानी में तीन दिवसीय सम्मेलन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें चीन व पाकिस्तान को छोड़कर सभी पड़ोसी देश शिरकत कर रहे हैं। सम्मेलन के दौरान जमीनी चुनौतियों के मुताबिक मिशनों को अधिक उत्तरदायी बनाने पर भी बातचीत होगी। इस सम्मेलन को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी समेत कई अधिकारी संबोधित करेंगे।

कार्यक्रम की रूपरेखा: तय कार्यक्रम के मुताबिक सभी सेना प्रमुख 13 अक्तूबर यानी सोमवार शाम तक भारत पहुंचेंगे। अगले दिन 14 अक्तूबर को सेना के मानेकशॉ सेंटर में उनकी अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें होंगी। कई देशों के सेना प्रमुखों ने भारत में अपने सैन्य पाठ्यक्रम पूरे किए हैं और भारत आकर अपने सहपाठियों से मिलेंगे। अगले दिन 15 अक्तूबर को सुबह आगरा में ताजमहल का दीदार करेंगे। यहां सेना स्वदेशी हथियारों की प्रदर्शनी भी लगाएगी जिसमें स्वदेशी सैन्य तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा, ताकि प्रतिभागी देश रक्षा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदमों से परिचित हो सकें।

ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष सत्र: सम्मेलन में शामिल होने वाले सेनाध्यक्षों को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी भी दी जाएगी। भारत लगातार कहता रहा है कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकी शिविरों को निशाना बनाना था, न कि किसी देश पर हमला करना। सम्मेलन में श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, इटली, फ्रांस, इंडोनेशिया, ब्राजील और मलेशिया समेत लगभग 30 देश हिस्सा लेंगे।

यूएन शांति सेना में भारत: 1948 से अब तक 2.90 लाख भारतीय सैनिकों ने 50 से ज्यादा यूएन मिशन में योगदान दिया है, जो दुनिया में सबसे बड़ा योगदान है। भारतीय सैनिकों ने दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्रों जैसे कांगो, दक्षिण सूडान, लेबनान आदि में न केवल साहस दिखाया है, बल्कि अस्पताल, स्कूल और सड़कें बनाकर अपनी सेवा भावना से दिल भी जीते। अब तक 180 से ज्यादा भारतीय सैनिकों ने शांति के लिए बलिदान दिया है।

दिल्ली में पहली बार : राजधानी में अनोखी जनरल गश्त, रात में विशेष पुलिस आयुक्त भी उतरे सड़कों पर ; सीपी ने किया चेक

नई दिल्ली ,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में अनोखी जनरल गश्त(रात के समय में सभी पुलिस अधिकारियों को इलाके में उतरना) होने जा रही है। दिल्ली पुलिस में ऐसा पहली बार हो रहा है कि सब-इंस्पेक्टर(एसआई) से लेकर विशेष पुलिस आयुक्त (स्पेशल सीपी) गश्त के दौरान सड़कों पर उतरेंगे। बीती रात गश्त की जांच के लिए पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा पहुंचे।

एसआई से लेकर स्पेशल सीपी को ये भी बताया गया है कि उन्हें जनरल गश्त के दौरान क्या करना है। सभी बड़े क्राइम सीन या संगठित अपराध वाली जगहों पर पीसीआर वैन, ट्रैफिक कर्मी, गश्त करने वाली मोटरसाइकिल, इंस्पेक्टर व उनसे सीनियर पुलिस अधिकारी अब मौके पर पहुंचेंगे। जरनल गश्त नियमित अंतराल पर हुआ करेगी।

दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त(अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव की ओर से नौ अक्तबूर को जारी एक आदेशानुसार जनरल गश्त 11 व 12 अक्तूबर की रात 12 बजे से तड़के 4 बजे तक होगी। एसआई से लेकर विशेष सीपी तक के जनरल गश्त के दौरान सड़कों पर उतरेंगे। आदेश के साथ एक परफोमा भी दिया गया है, जिसे जनरल गश्त को लेकर भरकर पुलिस आयुक्त कार्यालय भेजना है। आदेश में ये भी बताया गया है कि फलां रेंक के अधिकारी को कौनसी और क्या रिपोर्ट भेजनी है।

जनरल गश्त में किसको क्या करना है-एसआई

पुलिस स्टेशन के रात्रि जांच अधिकारी के रूप में क्षेत्र का पर्यवेक्षण करना। निर्धारित पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रात्रि गश्त करवाना सुनिश्चित करना। गश्त और पिकेट स्टाफ को निर्देश जारी करना। संदिग्धों और वाहनों की एफआरएस जांच, ई-बीट-बुक एप का उपयोग करके संदिग्धों की जांच करना सीआरआईएस आदि के माध्यम से संदिग्धों की जांच करना । क्लस्टर और अन्य संवेदनशील या अपराध-प्रवण स्थानों का निरीक्षण। पुलिस स्टेशन के किसी भी पिकेट बिंदु पर कम से कम एक घंटे तक पिकेट जांच करना। युवाओं को बाहर ले जा रहे वाहनों की जांच करना।

निरीक्षक: पुलिस स्टेशन स्तर का पर्यवेक्षण और समन्वय।

रात्रि गश्त में तैनात सभी पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग। संवेदनशील प्रतिष्ठानों (बैंकों, एटीएम, धार्मिक स्थानों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों) और उप-मंडल के कुछ पिकेटों की जांच। फीड-बैक रजिस्टर में सीमावर्ती पिकेटों का दौरा। सब-डिवीजन में प्राप्त सभी महत्वपूर्ण पीसीआर कॉल पर त्वरित कार्रवाई। सब-डिवीजन के किसी भी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में सामूहिक जांच का भौतिक रूप से पर्यवेक्षण करना।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी): सब-डिवीजन का निरीक्षण करना। उप-मंडल के भीतर एक या एक से अधिक पुलिस स्टेशनों की रात में चेकिंग करना। परीक्षण कॉल के माध्यम से गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों और प्रतिक्रिया समय का निरीक्षण करना। अंतर-राज्यीय पुलिस के साथ संपर्क करना और सटे हुए सीमावर्ती क्षेत्र में चुनी हुई तारीख पर कॉम्बिंग एंड सर्च ऑपरेशंस (सीएएसओ) का संचालन करना। एक जेजे क्लस्टर का दौरा करना जरूरी है। इसके अलावा कार्यरत क्लस्टर सुरक्षा समिति की जांच करना।

पुलिस उपायुक्त(डीसीपी): गश्त के दौरान जिला-स्तरीय नेतृत्व करना। पुलिस स्टेशनों का दौरा करना और चेकिंग करना। नियंत्रण कक्षों और गश्ती इकाइयों के बीच समन्वय की जांच। परीक्षण कॉल करके स्थितियों के आकलन के लिए एसएचओ और एसीपी के साथ बातचीत करना। जिला लाइन और आरक्षित कर्मचारियों और रसद की उपलब्धता की जांच करना।

संयुक्त पुलिस आयुक्त: रेंज-स्तरीय नेतृत्व करना। कई जिलों या क्षेत्रों में रात में बेतरतीब ढंग से निरीक्षण करना। जिला-व्यापी गश्त की ताकत, पैटर्न और प्रतिक्रियाशीलता का मूल्यांकन करना।

महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और अंतर-राज्यीय पिकेटों की जांच करना। किसी भी अपराध के हॉट स्पॉट पर पीसीआर/ट्रैफिक/मोटर साइकिल और इंस्पेक्टर और उससे ऊपर के रैंक के सभी अधिकारियों को बुलाना।

जिला-व्यापी गश्त की ताकत, पैटर्न और प्रतिक्रियाशीलता का मूल्यांकन करना।

जिले की 2 लाख से अधिक बहनों को लाभ

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि प्रदेशभर के पात्र हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर सीधी जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिला। मुख्यमंत्री ने श्योपुर में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में कुल रूपये 1541 करोड़ की राशि अंतरित की।

जिले में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत 2 लाख 9 हजार 731 महिलाओं के खातों में प्रति महिला रूपये 1250 के मान से कुल रूपये 25 करोड़ 73 लाख से अधिक की राशि जमा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास शिवानंद शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और हितग्राहियों ने सहभागिता की। परियोजना अधिकारी ने बताया कि लाड़ली बहना योजना का लाभ जनपद पंचायत कुसमी की 17,406, मझौली की 29,206, रामपुर नैकिन की 44,114, सीधी की 54,608 और सिहावल की 51,574 महिलाओं के साथ-साथ नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्रों की महिलाओं को भी मिला।

मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को शुभकामनाएँ दी और कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और समान अवसर प्रदान करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन निकला, लोगों ने किया स्वागत; भारत माता के जयघोष से गूंजा नगर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रविवार दोपहर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने चुरहट नगर में पथ संचलन निकाला। इसमें 230 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश और भगवा ध्वज के साथ शामिल हुए। स्वयंसेवकों ने भारत माता की जय के नारों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से मार्च किया।

पथ संचलन का शुभारंभ दोपहर 3 बजे चुरहट के स्थानीय स्टेडियम में स्वयंसेवकों के एकजुट होने के साथ हुआ। यह शाम 4 बजे स्टेडियम से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरा और पुन: स्टेडियम पर समाप्त हुआ। इस दौरान नगरवासियों ने घरों की छतों और दुकानों से स्वयंसेवकों पर पुष्पवर्षा की।

भगवा ध्वज इस पथ संचलन का मुख्य आकर्षण था, जो एकता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक माना जाता है। स्वयंसेवकों ने अनुशासनबद्ध होकर कदमताल किया और वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से पूरे नगर को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। एसडीओपी चुरहट आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल, थाना प्रभारी रामपुर नैकिन सुधांशु तिवारी और आसपास की चौकियों का स्टाफ कार्यक्रम स्थल तथा संचलन मार्ग पर तैनात था।

रामपुर नैकिन के खंड कार्यवाह रामनिवास सोनी ने बताया कि पथ संचलन में नगर के हर वर्ग ने सहयोग दिया, जिससे यह एक ऐतिहासिक क्षण बन गया।

एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी ने पुष्टि की कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का यह कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। पुलिस बल ने पूरी सक्रियता से व्यवस्था संभाली और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

खेत पर रसल वाइपर सांप ने युवक को डसा, 20 एंटी डोज के बाद भी हालत गंभीर बनी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में रसल वाइपर सांप के काटने से 22 साल के युवक श्याम सुंदर खैरवार की हालत गंभीर बनी हुई है। रविवार दोपहर साढ़े तीन बजे बलंगी निवासी इस युवक को खलिहान में काम करते समय सांप ने डस लिया था, जिसके बाद उसे तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल में युवक का इलाज जारी है, जहां अब तक उसे 20 एंटी-डोज दिए जा चुके हैं। सिविल सर्जन डॉ. कल्पना रवि ने बताया कि युवक को इतने एंटी-डोज देने के बाद फिलहाल उसकी हालत स्थिर लग रही है, लेकिन डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी निगरानी कर रही है। डॉक्टर ने आशंका जताई है कि सांप अत्यधिक जहरीला था, जिसके कारण इतनी ज्यादा एंटी-डोज देनी पड़ी।

वन विभाग के एसडीओ एनके त्रिपाठी ने पुष्टि की है कि सिंगरौली और छत्तीसगढ़ से सटे इलाकों में रसल वाइपर प्रजाति पाई जाती है, जिसका जहर बेहद खतरनाक होता है। उन्होंने बताया कि इस सांप का जहर इतनी तेजी से फैलता है कि कई बार इलाज का मौका नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि युवक भाग्यशाली है कि उसे समय पर उपचार मिल गया।

नारायणा हॉस्पिटल के नाम पर डभौरा में गरीबों के साथ मची हुई है लूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में इस समय झोलाछाप डॉक्टरों और बिना डिग्रीधारी क्लीनिक डॉक्टरों की भरमार है। ये लोग बड़े अस्पतालों का बैनर लगाकर या किसी डॉक्टर का नाम लिखकर गरीब जनता के साथ लूट कर रहे हैं। जैसे ही मरीज की हालत नाजुक होती है, उसे सरकारी अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है।

इसकी जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ और सीएमएचओ रीवा को भी होती है, लेकिन वे कभी कार्रवाई नहीं करते। शिकायत या खबर प्रकाशन के बाद जांच के नाम पर टीम आती है, तामझाम करती है और कुछ समय बाद चाय-नाश्ते के बाद चली जाती है। एक-दो दिन के लिए क्लिनिक को सील कर दिया जाता है, फिर मैनेजमेंट का खेल शुरू हो जाता है और ताला खुल जाता है।

इस प्रकार की व्यवस्था से बिना डिग्रीधारी झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। नगर परिषद डभौरा में रेलवे स्टेशन फाटक के पास नारायण अस्पताल के नाम पर एक बहुमंजिला अस्पताल खोला गया है। इसी अस्पताल का डॉक्टर शासकीय अस्पताल से कुछ ही दूरी पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डभौरा के सामने एक क्लिनिक भी चलाता है।

सूत्रों के अनुसार, नारायणा हॉस्पिटल को संचालित करने वाला डॉक्टर मात्र बीएचएमएस की डिग्री लिए है। जब गरीब इलाज के लिए जाता है, तो उसे पहले गंभीर बीमारी बता कर भर्ती किया जाता है और फिर मनमानी राशि वसूली जाती है। जब मरीज पैसे देने में असमर्थ होता है, तो उसे हॉस्पिटल से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। बताया जाता है कि उक्त डॉक्टर को जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं का संरक्षण प्राप्त है, इसलिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। क्षेत्र की जनता लूटने को मजबूर है। कुछ समाजसेवियों का कहना है कि डभौरा में जो शासकीय अस्पताल है, वह नाममात्र का है। साधारण दवा देकर छुट्टी कर दी जाती है या रेफर कर दिया जाता है। इसी वजह से गरीब जनता को नारायण हॉस्पिटल का सहारा लेना पड़ता है।

सांसद ने सही कहा, नोटबंदी ने लाखों मध्यमे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना सांसद गणेश सिंह ने रविवार को जीएसटी और नोटबंदी को सार्थक और जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने का मार्ग आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से होकर गुजरता है। आत्मनिर्भर भारत का सशक्त आधार स्वदेशी विचारधारा और स्वदेशी उत्पाद हैं। इधर, कांग्रेस ने भाजपा सांसद की प्रेसवार्ता के बाद उन पर सवाल खड़े किए। कहा कि नोट बंदी ने देश के लाखों मध्यम वर्गीय व्यापारियों को बर्बाद कर दिया।

कांग्रेस ने भाजपा पर उठाए सवाल: उधर भाजपा सांसद के इस बयान पर कांग्रेस ने गणेश सिंह पर निशाना साधा। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने कहा कि नोट बंदी देश की सबसे बड़ी गलती है। जिसने लाखों माध्यम वर्गीय और छोटे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया और सड़क पर ला दिया। लगता है कि सतना सांसद को जमीनी हकीकत नजर नहीं आती। इसलिए वो इस तरह की बात कर रहे हैं। गलतियों को भी उपलब्धि बता रहे हैं। अगर इतनी बड़ी उपलब्धि थी तो 2000 का नोट क्यों बंद करना पड़ा। तस्ज्ञ यानी गब्बर सिंह टैक्स भला क्यों लगाना पड़ा। पहले बढ़ाना और फिर घटाकर उत्सव मनाना यह भाजपा का ड्रामा बन चुका है। भगवान सतना सांसद गणेश सिंह को सद्बुद्धि दे ताकि वो सच्चाई को जान सके।

जल जीवन मिशन अंतर्गत बनाये जा रहे इंटेक वेल में 8 एमएम की सरिया से ढाला जा रहा छत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए जल निगम द्वारा व्यापक पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। लेकिन उनके गुणवत्ताविहीन कार्यों और तानाशाही की खबरें आए दिन सामने आती रहती हैं। शिकायतों के बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा ध्यान न दिए जाने से ठेकेदार के भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

जोन्हा ग्राम पंचायत के सरपंच धनेंद्र द्विवेदी ने आरोप लगाया है कि जल जीवन मिशन के तहत मोहरा में इंटेक वेल में छत डालने की तैयारी की जा रही है, जिसमें 8 एमएम की सरिया का प्रयोग किया जा रहा है। सरपंच ने इस संबंध में संबंधित विभाग से शिकायत की, लेकिन कोई जांच नहीं की गई। उन्होंने कहा कि 8 एमएम की सरिया का उपयोग तो गांव की नालियों में भी नहीं किया जाता, फिर इतने बड़े प्रोजेक्ट में इसका इस्तेमाल कैसे संभव है?

इस मामले में जब जल निगम के जीएम चित्रांशु उपाध्याय से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि छत डालने का कार्य डिजाइन ड्राइंग के अनुसार किया जा रहा है। प्रवीण सिंह ने भी पुष्टि की कि इंटेक वेल में रूफ स्लैब के स्टील का कार्य अनुमोदित डिजाइन के अनुसार किया जा रहा है, जिसमें 8 एमएम स्टील का उपयोग किया गया है।

लीलावती साकेत- संघर्ष से सफलता तक, बनीं आत्मनिर्भरता की पहचान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के विकासखंड सीधी अंतर्गत ग्राम मसुरिहा की निवासी लीलावती साकेत अम्बे स्व सहायता समूह की सदस्य हैं। समूह से जुड़ने से पहले लीलावती को आजीविका चलाने में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, किन्तु गाँव की अन्य महिलाओं से चर्चा के उपरांत उन्होंने समूह से जुड़ने का निश्चय किया। समूह में नियमित बचत करते हुए उन्होंने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 5 हजार रूपये का प्रथम ऋण प्राप्त किया, जिससे उन्हें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में मदद मिली। धीरे-धीरे उन्होंने 20 हजार रूपये का अतिरिक्त ऋण लेकर अपने आजीविका कार्य को आगे बढ़ाया। बाद में उन्होंने बैंक सखी एवं कियोस्क दुकान शुरू करने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से सीआईएफ एवं सीसीएल से क्रमश: 30 हजार-30 हजार रूपये का ऋण प्राप्त कर उन्होंने किराना दुकान प्रारंभ की।

ट्रक ने बोलेरो को रौंदा, बाप-बेटे की मौत

तेरहवीं संस्कार से लौट रहा था परिवार, 5 घायल; रीवा रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक सड़क हादसे में बाप-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। अंतर्गत कोचिटा मोड़ के पास हुई इस दुर्घटना में पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें रीवा रेफर किया गया है। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। ये परिवार हस्तिनापुर से एक तेरहवीं संस्कार में शामिल होकर वापस रीवा लौट रहा था।

मृतक और घायलों के नाम: मृतकों की पहचान रीवा निवासी 50 वर्षीय नरेंद्र प्रसाद पांडे (पिता मनमोहन प्रसाद पांडे) और उनके 22 वर्षीय विश्वास कुमार पांडे के रूप में हुई है। घायलों में अमिता तिवारी (45 वर्ष), सोम तिवारी (40 वर्ष) और किरण पांडे शामिल हैं। दो अन्य घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

यह हादसा शाम करीब 5:30 बजे हुआ, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक की गति बहुत तेज थी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। वहीं ट्रक चालक फरार हो गया, जिसका ट्रक मौके पर खड़ा हुआ है। राहगीरों की मदद से सभी घायलों और मृतकों को वाहन से बाहर निकाला गया।

हस्तिनापुर से लौट समय हुई घटना: सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चुरहट दीपक सिंह बघेला ने बताया कि पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को चुरहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे में दो लोगों की मौत हुई है जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी रीवा जिले के रहने वाले हैं और हस्तिनापुर से लौटते समय दुर्घटना का शिकार हुए हैं।

घायलों को रीवा रेफर किया: चुरहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. वरुण सिंह ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि पांच अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर कर दिया गया है।

कलेक्टर ने शिकायतों के निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 23 अक्टूबर को शाम 4.30 बजे से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का समाधान करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम में जिन विषयों की समीक्षा की जाएगी, उनमें किसान क्रेडिट कार्ड, रासायनिक खाद एवं बीज का वितरण, नल-जल योजनाओं से पेयजल आपूर्ति, नवीन राशनकार्ड जारी करना, तथा कर्मकार कल्याण मंडल संबल योजना में मजदूरों के पंजीयन जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मेडिकल कॉलेज में प्रसूति सहायता राशि का वितरण, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति, तथा सरकारी पोर्टलों के उपयोग में आ रही तकनीकी कठिनाइयों से संबंधित आवेदनों पर भी चर्चा की जाएगी।

एजेंडा बिंदुओं में नगरीय क्षेत्रों में सड़कों, गलियों, नालियों व सीवरेज की सफाई, मच्छरों की रोकथाम, तथा सफाईकर्मियों से जुड़ी शिकायतों को भी शामिल किया गया है। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चिन्हित विषयों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करें।

मध्य प्रदेश में अब नहीं आएगी दोबारा बीजेपी सरकार : शिव सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डभौरा इलाके के बौसड़वा गर्भे कलिया कोट मार्ग पर तीन गांवों को जोड़ने वाले पुल और सड़क निर्माण की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव और पूर्व प्रत्याशी जगदीश सिंह यादव की अगुवाई में धरना 7 अक्टूबर से चल रहा था। इस धरने का समापन डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर हुआ।

इस अवसर पर पार्टी द्वारा क्षेत्रीय मांगों का ज्ञापन पत्र मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार निवेदिता त्रिपाठी को सौंपा गया। समापन समारोह में एसडीओपी और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में सपा के राष्ट्रीय सचिव एडवोकेट शिव सिंह पटेल उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल ने की।

अतिथियों ने डॉ. राममनोहर लोहिया सहित अन्य महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की और धरने में शामिल आंदोलनकारियों का स्वागत किया। धरने में सपा के कई नेता और सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष आंदोलनकारी शामिल हुए।

मुख्य अतिथि शिव सिंह ने कहा कि तीन गांवों के लोग बरसों से सड़क और पुल से वंचित हैं। बरसात में बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और महिलाओं का प्रसव सड़क पर हो रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार तानाशाह और अकरमंड हो चुकी है, और ऐसी सरकार अब दोबारा मध्य प्रदेश में नहीं आएगी।

आंदोलन के नेता जगदीश सिंह यादव ने चेतावनी दी कि यदि एक माह के अंदर सड़क और पुल का निर्माण शुरू नहीं हुआ, तो डभौरा क्षेत्र के लोग क्षेत्रीय विधायक और बीजेपी के जनप्रतिनिधियों का प्रवेश इस इलाके में वर्जित करेंगे। जिला अध्यक्ष अमरेश पटेल ने कहा कि इस इलाके की समस्याओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव के समक्ष उठाया जाएगा।

सपा नेताओं ने सड़क पर हुए प्रसव स्थल का निरीक्षण कर बीजेपी सरकार की घोर निंदा की।

आदिवासी महिला की पिटाई का वीडियो वायरल, सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाने पर बेहोश तक की मारपीट; केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में रविवार सुबह 11 बजे एक आदिवासी महिला के साथ मारपीट की गई। महिला को सरकारी जमीन पर झोपड़ी बनाने के कारण गांव के कुछ लोगों ने पीटा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

यह घटना सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम कठार की है। जानकारी के अनुसार, ग्राम कठार निवासी मुन्नी बाई कोल अपने परिवार के साथ सरकारी जमीन पर एक झोपड़ी बना रही थी। तभी गांव के निवासी भूपेंद्र सिंह, उसकी पत्नी और बेटों ने वहां पहुंचकर झोपड़ी तोड़ दी और महिला पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

महिला को बेहोश होने तक पीटा: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला तब तक पिटती रही जब तक वह बेहोश नहीं हो गई। परिजनों ने घायल मुन्नी बाई को पहले सेमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसे गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, आरोपी भूपेंद्र सिंह ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वह जमीन मेरे कब्जे में पिछले 20 सालों से है। सुबह महिला वहां झोपड़ी बना रही थी। जब मैंने रोका तो उसने पत्थर फेंके, जिसके बाद झगड़ा बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट हुई

पुलिस ने किया केस दर्ज: सेमरिया थाना प्रभारी केदार परौहा ने बताया कि आदिवासी महिला और भूपेंद्र सिंह के बीच विवाद हुआ है। महिला गंभीर रूप से घायल है। इस घटना में एससी-एसटी एक्ट सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जांच जारी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो कृषि योजनाओं की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना और दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाना है। पीएम धन धान्य कृषि योजना के तहत पिछड़े जिलों में कृषि विकास पर ध्यान दिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि 2030-31 तक दालों का उत्पादन बढ़ाकर आयात को कम किया जाए। इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों और विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयप्रकाश नारायण की जयंती पर दो प्रमुख कृषि योजनाओं की जो शुरुआत की, उसे किसानों के लिए दीवाली उपहार की संज्ञा दी जा रही है, लेकिन बात तब बनेगी, जब ये योजनाएं सही तरह लागू होंगी। ऐसा होने पर ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि मोदी सरकार की ओर से पिछले 11 वर्षों में कृषि उत्थान और किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की गईं, लेकिन न तो किसानों की आय दोगुनी हो सकी और न ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था अपेक्षा के अनुरूप सशक्त हो सकी।

संपादकीय

प्रधानमंत्री ने 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जो दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं, उनमें एक पीएम धन धान्य कृषि योजना है। इसके जरिये सौ पिछड़े जिलों में कृषि उत्पादकता वृद्धि, फसल विविधीकरण, सिंचाई एवं भंडारण सुविधा में सुधार और आसान ऋण उपलब्धता पर बल दिया जाएगा। प्रधानमंत्री की ओर से शुरू की गई दूसरी योजना दलहन आत्मनिर्भरता मिशन है। इसका लक्ष्य 2030-31 तक दलहन का उत्पादन 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना है, ताकि दालों के आयात को खत्म किया जा सके।

यह एक विडंबना ही है कि कृषि प्रधान देश होते हुए भी हम दालों के आयात पर निर्भर हैं। देश में तिलहन उत्पादन की स्थिति भी अच्छी नहीं। दलहन मिशन को आगे बढ़ाते समय उन कारणों पर भी विचार किया जाना चाहिए, जिनके चलते दलहन उत्पादन बढ़ाने के अभी तक के प्रयास सफल नहीं हो सके। इन दो योजनाओं के अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी योजनाओं का भी उद्घाटन किया और यह भरोसा जताया कि इनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिलेगी। ऐसा वास्तव में हो, इसके लिए राज्य सरकारों को भी सहयोग करने के लिए आगे आना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि कृषि के समवर्ती सूची का विषय होने के नाते ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उत्थान की चिंता करना उनका भी दायित्व है। अभी तो यह देखने को अधिक मिलता है कि विरोधी दलों की राज्य सरकारें केंद्र की योजनाओं में या तो समुचित सहयोग नहीं करतीं या फिर उनमें मीन-मेख निकालती हैं।

जब गंगा तट पर मां संस्कृत की गोद मे जा बैठी बेटी हिंदी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र नगरी हरिद्वार के गंगा तट पर 10 अक्टूबर को एक अजीब संयोग हुआ।सर्वभाषाओ की जननी मां संस्कृत के घर उत्तराखंड संस्कृत अकादमी परिसर में बिहार की धरती से बेटी हिंदी, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के रूप में न सिर्फ पधारी बल्कि पहले मां संस्कृत को आत्मसात किया और फिर देशभर से आए हिंदी सेवियों का पलक पावड़े बिछाकर अभिनन्दन किया।सन 800 ईसवी में स्थापित इस पुरातन हिंदी विश्वविद्यालय को वर्तमान में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के रूप में जाना जाता है।उत्तराखंड शासन के संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज की मेजबानी में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर ,बिहार का वार्षिक अधिवेशन व सम्मान समारोह उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के आडिटोरियम में किया गया।संस्था के उपकुलसचिव डॉ प्रेमचंद पांडेय के संचालन में मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी रहे,जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में देहरादून ब्रह्माकुमारीज सब जोन इंचार्ज राजयोगिनी बीके मंजू दीदी ने भागीदारी की।विद्यापीठ के कुलपति डॉ दयानन्द जायसवाल, माउंट आबू ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय से पधारे प्रोफेसर सतेंद्र भाई,दिल्ली से आए डॉ विनोद बब्बर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर अधिवेशन का आगाज़ किया।रुड़की गीतकार अनिल अमरोही ने सरस्वती वंदना व विद्यापीठ का कुलगीत पढ़कर जहां वाहवाही बटोरी,वही अपने स्वागत उदबोधन में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के सचिव व संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत भाषाओं की जननी है तो हिंदी उसकी बेटी और आज हिंदी रूपी बेटी विद्यापीठ के रूप में अपनी मां संस्कृत से मिलने भागीरथी नगरी हरिद्वार पधारी है।उन्होंने कहा कि पुरातन काल से विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ देश दुनिया मे हिंदी की अलख जगा रही है और हिंदी के साहित्यकारों का सारस्वत सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है।मात्र 3 माह में 3 हिंदी पुस्तकें लिखने में सफल हुई शिखा शर्मा की तीनो पुस्तकों आत्म मंथन,श्रीगोपाल काव्यधारा में अध्यात्म व दादी और विभव का विमोचन भी संस्कृत हिंदी रूपी मां बेटी के मंच पर किया गया। इस पवित्र धरा पर मां सरस्वती के पुत्र व पुत्रियों को सारस्वत सम्मान मिलना बेहद सुखद रहा।इस अवसर पर मौजूद ब्रह्माकुमारीज संस्था के भाई बहनों की रूहानियत व ईश्वरीय सेवा युक्त उपस्थिति से सभी आध्यात्मिक लो में सराबोर हो गए। हाल ही में दिवंगत हुए ब्रह्माकुमारीज महासचिव बीके बृजमोहन भाई को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के साथ ही महाप्रयाण कर चुके वरिष्ठ साहित्यकार डॉ योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण के साहित्यिक योगदान का भी भावपूर्ण स्मरण किया गया।राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी ने हिंदी सेवा के लिए विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ को भारत का गौरव बताया तो विशिष्ट अतिथि राजयोगिनी बीके मंजु दीदी ने आत्म स्वरूप में रहकर परमात्मा तक पहुंचने की राजयोग विधा की जानकारी दी और कहा ,यही इंसान से देवता बनने का मार्ग भी है।इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आगाज़ रुड़की के वरिष्ठ कवि सुरेंद्र कुमार सैनी ने अपनी गजल से किया।कार्यक्रम में देहरादून से आए कुंवर राज आस्थाना, छत्तीसगढ़ से वन्दना गोपाल शर्मा,करनाल से रमेश सैनी,मुजफ्फरनगर से सविता वर्मा गज़ल, पूर्व प्रधानाचार्य घनश्याम गुप्ता,पूर्व प्रधानाचार्य अशोक शर्मा आर्य,नवीन शरण निश्चल,अजय शर्मा,प्राचार्य हेमंत तिवारी, मनु शिवपुरी, बीके सुशील भाई,बीके मीना दीदी व बीके गीता दीदी,अकादमी के शोध अधिकारी हरिश्चंद्र गुरुरानी,किशोरी लाल रतूड़ी,आचार्य भानुमित्र शर्मा समेत संस्कृत हिंदी के नामचीन साहित्यकारों ने संस्कृत -हिंदी के इस मिलन को एक ऐसा यज्ञ बताया जिसकी सुगन्ध देर तक देश दुनिया मे रहेगी।

राष्ट्र स्तब्ध है। देश की सर्वोच्च न्यायपीठ के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंके जाने की घटना से जन गण मन आहत है। हालांकि मुख्य न्यायाधीश ने अब तक घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। अब उन्होंने कहा है कि, जो कुछ हुआ उससे बहुत स्तब्ध था। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उनके सहयोगी न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां ने इससे भिन्न राय प्रकट की है। यह अच्छी बात है कि मुख्य न्यायाधीश ने इसे एक भुला दिया गया अध्याय बताया है, लेकिन देश में इस घटना पर अच्छी खासी बहस है। भुइयां ने कहा है, इस पर मेरी अपनी राय है। वह भारत के चीफ जस्टिस हैं। यह उच्चतर संस्था का अपमान है।

गहन चोट से शदों का अभाव

हृदयनारायण दीक्षित

राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस घटना ने कई दिशाओं में नया सोचने की आवश्यकता प्रकट की है। घटना की गंभीरता का पता इसी बात से चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी घटना की निंदा की है। प्रधानमंत्री ने मुख्य न्यायाधीश से व्यक्तिगत बात भी की। देश का बड़ा हिस्सा अवाक् है।

भारतीय राजव्यवस्था की तीन प्रमुख संस्थाएं हैं। विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के मध्य शक्ति के पृथक्करण प्रत्यक्ष हैं। भारतीय न्यायपालिका की प्रतिष्ठा विश्वस्तरीय है। न्यायपालिका विधि की व्याख्या करती है। इसका खूबसूरत इतिहास है। खेदजनक है कि इसी गौरवशाली इतिहास में यह एक आत्महीन अध्याय जुड़ गया है। आगे आने वाली पीढ़ियां इस घटना के विवरण पढ़ेंगीं। लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपना मत व्यक्त करने का अधिकार है और यह अधिकार संवैधानिक भी है। इस घटना के आरोपी अधिवक्ता राकेश किशोर को ऐसी विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। यहां प्रश्न अभिव्यक्ति की आजादी का है भी नहीं। यह सीधे आपराधिक कृत्य है।

आदर्श समाजमिं परस्पर सम्मान की प्रकृति स्वाभाविक आवश्यकता होती है। प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा और निजता के सम्मान से समाज मजबूत होते हैं। भारतीय समाज में ऊंचे आदर्श और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, महिमा का सम्मान हजारों वर्षों की प्राचीन परंपरा है। महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में पक्ष और विपक्ष के संवाद आदर से भरे पूरे हैं। इस घटना से भारत के मन में एक गहन पीड़ा उठी है।

हम अपने बच्चों को सिखाते हैं। उन्हें सभ्यता के संस्कार देते हैं। करणीय-अकरणीय की सूची बताते हैं। युवा मन 15-20 वर्ष से प्रारंभ होता है। परिवार और समाज में इस बात का प्रशिक्षण मिलता है कि अपशब्द से बचना चाहिए। अपशब्द उचित नहीं होते। विद्यालय और कॉलेज जैसे शिक्षण संस्थाएं संस्कारवान पीढ़ी तैयार करते हैं। समाज के सभी रिश्ते नाते प्रेम पूर्ण व्यवहार का ही प्रतिपादन करते हैं। अधिवक्ता की डिग्री सामान्य कागज का टुकड़ा नहीं है। यह किसी भी व्यक्ति को किसी भी अन्य व्यक्ति की तरफ से बोलने का अधिकार देती है। न्यायालय औपचारिक रूप में ही नहीं आदर के योग्य हैं, वे वास्तव में न्याय के मंडप, मंदिर हैं। इसलिए न्यायालय में अधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले अधिवक्ता, न्यायमूर्ति आदर के पात्र होते हैं। सभी पद और दायित्व उत्तरदायित्व भी देते हैं। कर्तव्य पालन से समाज सुदृढ़ होते हैं। राष्ट्रजीवन का अधिष्ठान कर्तव्यवाची है। यहां जूता फेंकने वाले अधिवक्ता के बारे में कहा जा सकता है कि उनकी पढ़ाई और योग्यता के बावजूद कोई कमी है। ऐसी योग्यता के बावजूद उनके द्वारा यह कृत्य किया जाना घोर निंदा का विषय है। ऐसे अपराध की निंदा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

अनेक सवाल हैं। समाज अपने बिगड़े सदस्य को ठीक करने के लिए निंदा, आलोचना का प्रयोग करता है। राष्ट्र राज्य अपने बिगड़ैल सदस्यों को दण्ड भी देते हैं। दण्ड व्यवस्था का उद्देश्य स्वतंत्र व स्वाभिमानी नागरिक तैयार करना होता है। कानून और समाज अपने साथ राष्ट्र का यश भी बढ़ाते हैं। यशस्वी राष्ट्र का जन गण मन वैभव से भरा रहता है। भारत भी वैभवशाली राष्ट्र है। सारी दुनिया भारत कं एक शक्तिशाली राष्ट्र मानती है। निंदा और आलोचना में कुछ निश्चित शब्दों द्वारा असहमति प्रकट की जाती है। लेकिन यह घटना बड़ी है। गहन आहत राष्ट्र के मन में निंदा और आलोचना के शब्द जल्दी जल्दी नहीं आते। इस चोट ने शब्दों का अभाव पैदा किया है। मूलभूत प्रश्न है कि इन्हें किन शब्दों में निंदित करें? किन शब्दों से आलोचना करें? आखिरकार भारत के राष्ट्र जीवन में कहां पर खोट है, जिसके कारण भाईचारा, परस्पर सम्मान, संस्थाओं का सम्मान और संवैधानिक संस्थाओं का भी सम्मान नहीं हो रहा है। क्या हमारे पास ऐसी नैतिक शक्ति है कि लोग ऐसे अपराधों के बारे में सोचना बंद कर दें। समाज बहुत कुछ देता है। उसके बदले में कुछ लेता भी है। अपने नागरिकों को नैतिकता और परस्पर आत्मीयता सिखाने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के उत्कृष्ट आदर्श का पालन करते रहना हम सबका कर्तव्य है।

भारत का संविधान अनेक अधिकार देता है। संविधान के प्रति आस्था एक बड़ा मुद्दा है। शासन व्यवस्था संविधान से ही पैदा होती है। अपनी बात कहने के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया जा सकता। दबी जुबान कहा सजा सकता है कि समाज में असंतोष है। परस्पर अविश्वास का वातावरण है। लोगों में निराशा है। कई बार व्यक्ति को लगता है कि उसकी सही बात भी कोई नहीं सुनता। उसे लगता है कि उसे अपमानित किया जा रहा है, लेकिन इन सब का अर्थ यह नहीं है कि अधिवक्ता जैसे दायित्वों पर होने के बावजूद कोई हिंसक रास्ता अपनाए। असहमति का आदर देश की प्राचीन परंपरा है। असहमत लोग बड़ी-बड़ी क्रांतियां करते हैं, लेकिन इस मामले में ऐसा कुछ लागू नहीं होता।

समाज का सतत् विकास हुआ है। एक समय अराजकता थी। लोग एक-दूसरे को हरा देने या खत्म करने के लिए आमादा थे। लोकतंत्र की पहली किरण के बारे में अथर्ववेद के ऋषि बताते हैं कि सबसे पहले परिवार संस्था बनी, फिर लगातार विकास करते हुए निर्णय की शक्ति सभा और और समितियों के हाथ आयी। सभा और समिति के लिए कहा गया है कि वे नरिष्ठा हैं और समाज का कष्ट दूर करती हैं।

न्यायपालिका की आलोचना स्वतंत्रता के बाद के प्रारंभिक वर्षों में कम थी। अब न्यायपालिका की आलोचना होती है। मैंने स्वयं कई आलेखों में न्यायपालिका की आलोचना की है। आलोचना से सुधार का रास्ता भी निकलता है। असहमति, आलोचना, निंदा और भर्त्सना समाज को शक्ति देते हैं। संप्रति न्यायपालिका का कार्य पूरी निष्ठा के साथ चल रहा है। बीच-बीच में असहमतियां भी आती हैं, लेकिन हर नागरिक को अपनी असहमति संवैधानिक दायरे में ही प्रकट करनी चाहिए। ताजा घटना केवल घटना ही नहीं है, यह घटना हमारे जीवन मूल्यों, संवैधानिक आदर्शों पर गहरी चोट है। विद्वान अधिवक्ता भी विधिक रास्ता छोड़कर असंवैधानिक रास्ते पर चलेंगे, तो देश का क्या होगा?

आजम के दरबार में यों पहुँचे अखिलेश

प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में काफी समय है लेकिन राजनैतिक दलों ने माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भाजपा की पेशानी पर बल ला दिया। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है।

प्रभुनाथ शुक्ल

अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जुटे हैं और सत्ता पक्ष के कामों का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज हैं और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलों को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा।

आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाती। ऐसी

स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा।

आजम का प्रभाव पश्चिमी यूपी में मजबूत है। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, यूपी में मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 तक अनुमान है कि यह आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है। यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमानों में कई नेता हैं और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा।

हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। यही वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोटबैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं। हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी बड़े पैमाने मतदान करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है।

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुस्लिम मतदाताओं का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां की 82 सीटों में 62 सीटों पर विजय हासिल की थी। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले।

उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहाँ जाएगा। लेकिन पूरी तरह से मुस्लिम मतदाता सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ हैं- ऐसा कहना मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है।

उत्तर प्रदेश में एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती को जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर, दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि दलित पूरी तरह मायावती में आस्था रखता है। कैडर आधारित पार्टी बसपा ने बिना प्रचार के लखनऊ में एकबार फिर ताकत का प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वंद्वियों की नींद उड़ा दी है। इस रैली में मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा की वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा। अखिलेश सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फार्मूले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखीं। हालांकि जमीनी सच्चाई यही है कि इस भीड़ से बसपा और दलित मतदाता भले खुश हों लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है।

ब्राह्मण समाज की चिंतन बैठक में राजनीतिक हिस्सेदारी पर चर्चा, हजारों विप्र बंधु हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। शनिवार को ब्राह्मण समाज की एक चिंतन बैठक आयोजित की गई, जिसमें हजारों विप्र बंधु शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दलों में समाज की उचित भागीदारी सुनिश्चित करने पर रणनीति बनाना था। मुख्य अतिथि राम बहादुर शर्मा, सहयोगी लक्ष्मण तिवारी और विनोद शर्मा ने समाज के वरिष्ठजनों को अंगवस्त्र और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस बैठक में मऊगंज, नईगढ़ी, देवतालाब सहित रीवा और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन से हुई, जिसके बाद समाज की राजनीतिक भागीदारी और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने निर्धारित प्रपत्र भरकर अपने सुझाव दिए।

इस बैठक में 250 से अधिक जनप्रतिनिधि शामिल हुए: इसी दौरान, मऊगंज में प्रबुद्ध समाज की एक अन्य चिंतन बैठक भी आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य रीवा संभाग में कांग्रेस संगठन को मजबूत करना और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। इस बैठक में संभाग के विभिन्न जिलों से आए 250 से अधिक जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

वक्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से मांग की कि वर्ष 2026 में राज्यसभा में रीवा संभाग के मूल कांग्रेसी ब्राह्मण नेता को प्रतिनिधित्व दिया जाए। साथ ही, राहुल गांधी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए रीवा संभाग को संगठनात्मक रूप से और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। अपने संबोधन में राम बहादुर शर्मा ने कहा कि मऊगंज विधानसभा में ब्राह्मणों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद राजनीतिक दलों में उन्हें उपेक्षित रखा गया है। उन्होंने समाज से अपने हक और अधिकार के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

शर्मा ने घोषणा की कि जल्द ही एक विशाल ब्राह्मण महासभा का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज के प्रबुद्ध वर्ग को एकजुट कर राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मुहिम शुरू करना है।

संगठन और समरसता का संदेश: वक्ताओं ने कहा कि ब्राह्मण समाज किसी विशेष दल का विरोधी नहीं है, लेकिन जब तक भागीदारी में हिस्सेदारी नहीं मिलेगी, तब तक जनता का विश्वास जीतना मुश्किल होगा। बैठक में सामाजिक समरसता, एकजुटता और राजनीतिक सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। उपस्थित विप्र बंधुओं ने समाज की एकता और सम्मान की दिशा में निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

समापन सत्र में संगठन की मजबूती पर जोर: समापन सत्र को गिरजेश पाण्डेय ने संबोधित किया। विषय प्रस्तुति विनोद शर्मा द्वारा की गई, जबकि संचालन निर्णय शर्मा ने किया। आयोजन की जिम्मेदारी आर.बी. शर्मा के पास रही। पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी और डॉ. विनोद शुक्ला ने विशेष सहयोग दिया।

बैठक में प्रवीण पाण्डेय, हरिगोविंद तिवारी, नीलेश द्विवेदी, कुलदीप द्विवेदी, श्याम बिहारी मिश्रा, ऋषिराज पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे। देवतालाब और मऊगंज विधानसभा क्षेत्रों से भारी उपस्थिति ने कांग्रेस संगठन की मजबूती पर जोर दिया।

वरिष्ठजनों की जांच के लिए शिविरों का आयोजन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा अटल वयों अभ्युदय योजनान्तर्गत बुजुर्गों को कृत्रिम अंग प्रदान करने के लिए जाँच शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर में कृत्रिम अंग के लिए पात्र पाए गए बुजुर्गों को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम तथा एलिम्को संस्था द्वारा निःशुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा संबंधित जनपद के सीईओ को शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी कृत्रिम अंग के लिए पात्र बुजुर्गों का चिन्हांकन करके उन्हें शिविर से लाभान्वित कराएं।

संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि 13 अक्टूबर को विधि महाविद्यालय रीवा में आयोजित शिविर में नगर निगम रीवा, नगर परिषद गोविंदगढ़, सिरमौर, सेमरिया एवं बैकुंठपुर सहित जनपद रीवा एवं सिरमौर के वरिष्ठजनों की जांच की जायेगी।

जबकि 14 अक्टूबर को जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान सभागार में आयोजित शिविर में नगरीय निकाय मनगवां एवं गुढ़ तथा जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान एवं गंगेव, 15 अक्टूबर को जनपद पंचायत मऊगंज में नगरीय निकाय नईगढी, हनुमना एवं मऊगंज सहित जनपद नईगढ़ी, हनुमना एवं मऊगंज के वृद्धजनों और 16 अक्टूबर को जनपद पंचायत त्योंथर में आयोजित शिविर में नगरीय निकाय त्योंथर, चाकघाट, डभौरा सहित जनपद पंचायत जवा एवं त्योंथर के दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु वृद्धजनों की जांच होगी।

तीर्थदर्शन ट्रेन 25 को जाएगी द्वारका और सोमनाथ, आवेदन की अंतिम तिथि आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को एक तीर्थस्थान की निःशुल्क यात्रा कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के द्वारा 60 साल से अधिक आयु के मध्यप्रदेश के निवासी नागरिकों को निःशुल्क तीर्थयात्रा का एक बार अवसर दिया जाता है। इस योजना के तहत रीवा जिले के 200 बुजुर्गों कों 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की तीर्थयात्रा का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी धर्मस्व ने बताया कि तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें रीवा के 200 बुजुर्गों के साथ-साथ मऊगंज जिले के 179, सतना के 200 तथा मैहर जिले 200 बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थयात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों को सहयोग देने के लिए प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी उनके साथ जाएंगे। आवेदक बुजुर्ग को आयकर दाता नहीं होना चाहिए। पात्र बुजुर्ग अपनी जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय अथवा नगरीय निकाय में 13 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाटरी के माध्यम से तीर्थयात्रियों का चयन किया जाएगा। यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को ठहरने, भोजन, पानी, चाय और नाश्ते की निःशुल्क सुविधा दी जाएगी।

सड़क हादसे में तेंदुए की मौत, हनुमना-सीधी मार्ग पर शनिवार रात हुआ हादसा; वन विभाग ने किया ंतिम संस्कार

मीडिया ऑडिटर , मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना थाना क्षेत्र में हनुमना-सीधी मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में तेंदुए की मौत हो गई। यह घटना शनिवार देर रात करीब 11 बजे घोघम पिपराही घाट पर बताई गई, जब एक अज्ञात वाहन ने तेंदुए को टक्कर मार दी। घटना की सूचना रात करीब 12 बजे ग्रामीणों ने पुलिस डायल 112 को दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और वन विभाग को सूचित किया। इसके बाद मऊगंज रेंजर नयन तिवारी के नेतृत्व में वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और तेंदुए के शव को अपने कब्जे में लिया। वन विभाग ने मुकुंदपुर टाइगर रिजर्व की टीम को भी तत्काल जानकारी दी। रेंजर नयन तिवारी के अनुसार, सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी हनुमना अपनी टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे।

मृत तेंदुए के शव को सुरक्षित कर वन अपराध का मामला दर्ज किया गया। सुबह शव को मुकुंदपुर जू ले जाया गया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में पोस्टमार्टम किया गया। वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग के मुताबिक, मृत तेंदुआ नर था और उसकी उम्र लगभग 6 से 7 वर्ष आंकी गई है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह हादसा किसी तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से हुआ है। विभाग ने घटनास्थल के आसपास के वाहनों की जांच शुरू कर दी है। ेंजर नयन तिवारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारी डीएफओ सतना और रीवा-मऊगंज के प्रभारी महेंद्र सांडीवाल को घटना की जानकारी दी गई थी। उनकी देखरेख में पूरी कार्रवाई संपन्न हुई। वन विभाग अब सड़क हादसे के कारणों की जांच कर रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले- सूचना का अधिकार कमजोर हो रहा, राजेंद्र शर्मा ने कहा- सरकार की नीतियों से मूल भावना पर असर पड़ रहा

रीवा। रीवा में कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर सूचना का अधिकार कमजोर करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार सूचना के अधिकार को कमजोर कर रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रेसवार्ता 12 अक्टूबर 2005 को सूचना का अधिकार लागू होने के दिन की स्मृति में आयोजित की गई थी। राजेंद्र शर्मा ने कहा कि 12 अक्टूबर 2005 को डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व और सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में ऐतिहासिक सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ था।

यह कानून यूपीए सरकार की अधिकार आधारित पहली कड़ी थी, जिसके तहत मनरेगा, वन अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार, भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा का अधिकार और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण कानून बने।

शर्मा ने भाजपा पर आरोप लगाया कि 2014 के बाद से लगातार सूचना का अधिकार अधिनियम को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम जनता को पारदर्शिता और जवाबदेही देने वाला एक मजबूत कानून था, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण इसकी मूल भावना प्रभावित हो रही है। राजेंद्र शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा लोकतंत्र की मजबूती और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी आगे भी इसके लिए लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

गर्भवती महिला और गर्भस्थ शिशु की मौत, परिजनों का संजय गांधी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप

मीडिया ऑडिटर , रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में एक बार फिर बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है, जिसमें एक गर्भवती महिला और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। सतना से रेफर होकर आई दीपा गुप्ता (पति- राजकुमार गुप्ता) के परिजनों ने डॉक्टरों पर दो दिनों तक इलाज न करने और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। शनिवार को घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के गेट पर शव रखकर हंगामा किया। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि महिला की हालत पहले से ही गंभीर थी।

परिजनों का आरोप- 2 दिन भर्ती रखा, इलाज नहीं किया: मृतक दीपा गुप्ता की मां ने रोते हुए बताया कि वे 7 अक्टूबर को अपनी बेटी को सतना जिला अस्पताल से रेफर कराने के बाद यहां लाए थे। परिजनों का आरोप है कि यहां दीपा को दो दिनों तक वॉर्ड में सिर्फ लिटाकर रखा गया और कोई सही इलाज नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान अस्पताल में दीपा की मां के साथ मारपीट की गई और उसे एक खाली इंजेक्शन भी लगा दिया गया। परिजनों के मुताबिक, समय पर इलाज न मिलने के कारण ही दीपा और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हुई है।

अस्पताल की सफाई- महिला को पीलिया था, हालत गंभीर थी: इस पूरे मामले में अस्पताल प्रबंधन ने आरोपों को निराधार बताया है। प्रबंधन की ओर से कहा गया है कि, महिला को जब सतना से यहां लाया गया था, तब उसे पीलिया था और उसे यूरिन भी नहीं आ रहा था। उसकी हालत बेहद गंभीर थी।

ऑपरेशन कर बच्चे को निकाला गया, लेकिन महिला का ब्लड प्रेशर काफी बढ़ गया था, जिसके बाद उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। अस्पताल ने मारपीट के आरोप को भी पूरी तरह गलत बताया है। 13 साल के बच्चे की मौत का मामला अभी थमा भी नहीं था गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही संजय गांधी अस्पताल में 13 वर्षीय मनीष साहू की भी इलाज में देरी के कारण मौत हो गई थी। उस मामले में अस्पताल की ही जांच रिपोर्ट में विभागों के बीच तालमेल की कमी की बात सामने आई थी।

अधिकारी को बंधक बनाकर लूटा, बाल विकास के परियोजना अधिकारी से लकार की चाबी और 20 हजार छीने

मीडिया ऑडिटर रीवा (निप्र)। रीवा जिले के त्योंथर में पदस्थ महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी के साथ शनिवार-रविवार की दरमियानी रात लूट की वारदात हो गई। बदमाशों ने गन प्वाइंट पर बंधक बनाकर उनसे करीब 20 हजार रुपए नगद, मोबाइल और एटीएम कार्ड लूट लिए। घटना दीपक मिश्रा के साथ हुई। वारदात के बाद आरोपी कार की चाबी लेकर फरार हो गए, जबकि पीड़िता की कार रीवा-प्रयागराज मार्ग पर लावारिस हालत में मिली।

ट्रेनिंग से वापस आ रही थीं: घटना मनगवां थाना क्षेत्र की है। परियोजना अधिकारी ने बताया कि वे शनिवार को जबलपुर से ट्रेनिंग पूरी कर रीवा होते हुए त्योंथर लौट रहे थे। जैसे ही वे मनगवां ओवरब्रिज के पास पहुंचे, पीछे से आ रही लाल रंग की कार में सवार चार बदमाशों ने उनका पीछा शुरू कर दिया। गंगेव चौकी के पास लकी ढाबे के समीप बदमाशों ने कार ओवरटेक कर रोकी और तीन आरोपी उनकी कार में घुस गए। एक बदमाश ने कनपटी पर पिस्तौल रखकर उन्हें धमकाया और कुछ दूरी तक कार लेकर गए। वहां मोबाइल फोन, पर्स में रखे 18-20 हजार रुपए नकद और एटीएम कार्ड लूट लिए। बदमाशों ने एटीएम का पिन नंबर पूछकर भी पैसे निकाले। इसके बाद कार वहीं छोड़कर चाबी लेकर फरार हो गए।

राहगीरों से मांगी मदद, पुलिस जांच में जुटी: घटना के बाद अधिकारी ने राहगीरों की मदद से पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल पुलिस ने रविवार दोपहर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ और मनगवां क्षेत्र के बीच हाल के दिनों में लूटपाट की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान पशुपालको को दी गई समझाइश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक संचालित किया गया। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान में जिन पशु पालकों के यहां 10 से अधिक जानवर (गाय भैंस) थी उनके घर भेंट की गई। अभियान में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अमले के द्वारा भी मॉनिटरिंग की गई एवं पशु पलकों से भेंट की गई। संभाग में पशु चिकित्सक 591 मैत्री तथा जिलों के सभी पशु चिकित्सक एवं शहडोल संभाग में पशु चिकित्सक एवं 391 मैत्री को दूध समृद्धि संपर्क अभियान हेतु नियत किया गया था। रीवा संभाग के लिए 10 से अधिक पशुपालकों की संख्या का लक्ष्य 34271 था जिसमें से 36126 पशुपालकों से भेंट की गई। 10383 परिवार से भेंट कर डेटा वेरीफिकेशन कर एंट्री की गई। पशुपालन विभाग में चल रही 1962 एंबुलेंस का भी प्रचार प्रसार एवं पशु पालकों को जागरूक का कार्य भी इस दौरान किया गया। कमिश्नर बीएस जामोद के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर प्रतिभा पाल के माध्यम से तैनात किए गए अधिकारी, कर्मचारी एवं मैत्री द्वारा पशुपालकों को पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य, नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन कैसे बढ़े इस उद्देश्य को घर-घर जाकर पशुपालकों से संपर्क कर समझाइस दी गई एवं जागरूक किया गया।

कैंप में 28 मरीजों को मोतियाबिंद निकला, इलाज के लिए चित्रकूट के सतगुरु अस्पताल भेजे गए; 230 की हुई जांच

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी में 12 अक्टूबर रविवार को एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगा। इसमें 230 नेत्र रोगियों की जांच की गई। जांच के दौरान 28 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान हुई, जिन्हें आगे के इलाज के लिए चित्रकूट भेजा गया। मोतियाबिंद से पीड़ित इन सभी 28 मरीजों को चित्रकूट के जानकीकुंड स्थित सतगुरु नेत्र अस्पताल भेजा गया है। इन्हें विशेष एंबुलेंस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका लेंस प्रत्यारोपण और अन्य आवश्यक इलाज किया जाएगा।

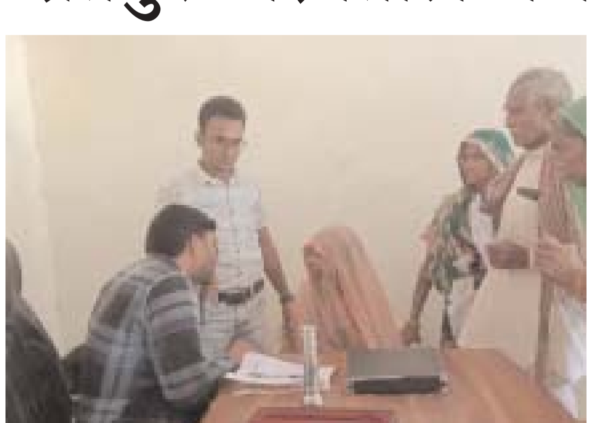

सतगुरु नेत्र अस्पताल चित्रकूट के डॉक्टर्स ने शिविर में आंखों की नियमित जांच के साथ-साथ दृष्टि दोष, जलन, धुंधलापन और अन्य नेत्र रोगों की भी पहचान की। समाजसेवी राममिलन प्रजापति ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र रोगों की बढ़ती समस्या को देखते हुए ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर समाजसेवी राममिलन प्रजापति, राजेंद्र प्रसाद मिश्र, रामाश्रय नामदेव, बाला प्रसाद गौतम, रामपाल सिंह, राजरमन पटेल सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजकों ने चिकित्सक दल के प्रति आभार व्यक्त किया और मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत राशि अंतरण कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा श्योपुर से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत माह अक्टूबर की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गयी। प्रदेशभर में आयोजित लाइव प्रसारण कार्यक्रम में जिले के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं ग्राम पंचायतों में हितग्राही महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। ग्राम पंचायतों में महिलाओं ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा तथा मुख्यमंत्री के संबोधन को सुना।

कार्यक्रम के दौरान जिले की कुल 4,04,294 हितग्राही बहनों के खातों में 50.53 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया एवं योजना के माध्यम से प्राप्त हो रहे सहयोग को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

लाइव प्रसारण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के सहयोग से व्यापक प्रबंध किए गए।

कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों तथा ग्रामीण महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

खनिज विभाग ने 5 डंपर जब्त किए-चालू वित्त वर्ष में 51 प्रकरण दर्ज, 1.26 करोड़ रुपए वसूले

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ जिले में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। विभाग ने पिछले तीन दिनों में पांच डंपरों को जब्त कर कलेक्टर कार्यालय परिसर में खड़ा करवाया है। खनिज अधिकारी जुवानसिंह भिड़े ने बताया कि जिले में अवैध और ओवरलोड डंपरों के परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान जारी रहेगा। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 51 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 1 करोड़ 59 लाख रुपये का दंड प्रस्तावित था, जिसमें से 1 करोड़ 26 लाख रुपए शासन के खाते में जमा कराए जा चुके हैं। जिले में रेत का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ा है। काली रेत की उपलब्धता में कमी के कारण बालू रेत का उपयोग बढ़ गया है, जिसके परिवहन में बड़ी संख्या में वाहन शामिल हैं। अवैध रेत परिवहन के खिलाफ सख्ती बढ़ाने के पीछे कुछ प्रमुख घटनाएं भी रही हैं। 28 जुलाई को झाबुआ कलेक्टर की गाड़ी बंगले से बाहर निकलते समय एक डंपर से टकरा गई थी। इस टक्कर में वाहन को नुकसान पहुंचा और साइड ग्लास टूट गए। इस घटना के तुरंत बाद डंपर को जब्त कर सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया था। इसी क्रम में, 30 अगस्त को तड़के 4 से 5 बजे के बीच रेत से भरे एक ट्रक ने तीन लोगों की जान ले ली थी। यह हादसा झाबुआ जिले के कालीदेवी थाना क्षेत्र के ग्राम फतीपुरा में चोरण माता घाट उतरते समय हुआ। चालक की लापरवाही के कारण ट्रक असंतुलित होकर एक मकान पर पलट गया, जिससे तीनों व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से रात में भी चेकिंग अभियान शुरू किया गया है।

तीन बाइक के साथ चोर गिरफ्तार, बाइक चोरी की शिकायत पर पुलिस का एक्शन; 3 लाख की गाड़ियां बरामद

मंदसौर, एजेंसी। जिले की नाहरगढ़ पुलिस ने एक बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 21 वर्षीय लक्ष्मण उर्फ लखन मेघवाल के रूप में हुई है। नाहरगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक वरुण तिवारी ने बताया कि यह कार्रवाई 9 अक्टूबर 2025 को दर्ज एक शिकायत के बाद शुरू हुई। फरियादी ने अपनी हीरो होंडा स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (क्रमांक MPvy MD 6232) चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर नाहरगढ़ थाने में अपराध क्रमांक 358/2025, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने खाईखेड़ा, थाना शामगढ़, मंदसौर निवासी लक्ष्मण उर्फ लखन पिता बापूलाल मेघवाल को गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल के साथ-साथ दो अन्य हीरो डीलक्स मोटरसाइकिलें (क्रमांक MPvyMR®y|z और MP14MC6252) भी जब्त की गईं। ये मोटरसाइकिलें अपराध क्रमांक 359/2025 और 360/2025 से संबंधित थीं।

नर्मदा स्नान के दौरान डूबी महाराष्ट्र की महिला, नर्स थी :भाई को नाविक ने बचाया

घाट पर स्नान के दौरान अचानक पानी का तेज बहाव आया था

खंडवा, एजेंसी। ओंकारेश्वर में नर्मदा स्नान के दौरान हादसा हो गया, दो लोग डूब गए। साथ आए लोगों ने मदद की गुहार लगाई तो नाविकों ने रेस्क्यू किया। एक व्यक्ति को बचा लिया गया, लेकिन महिला डूब गई। कुछ देर बाद उसका शव निकाला गया। मृतक महिला महाराष्ट्र के नंदूरबार जिले से आई थी। वह एक निजी अस्पताल में नर्स थी।

मांधाता पुलिस ने पूनम पति हेमप्रताप राजपूत (34) निवासी नंदुरबार (महाराष्ट्र) की डूबने से मौत की पुष्टि की है। पूनम के साथ चार लोग थे, इनमें उसका मुंहबोला भाई भागवत दिवाकर (29) भी था। भागवत ने बताया कि पूनम उसकी

मुंहबोली बहन है, मैं, पूनम और मेरा दोस्त और उसकी पत्नी उज्जैन महाकाल ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करने आए थे। पहले उज्जैन गए, वहां से इंदौर होते हुए ओंकारेश्वर आए। यहां से धामनोद होकर वापस महाराष्ट्र जाने वाले थे।

शनिवार सुबह 10 बजे ओंकारेश्वर पहुंचे, यहां ज्योतिर्लिंग दर्शन से पहले हमने नर्मदा स्नान का मन बनाया। हम लोग दोपहर साढ़े 12 बजे नर्मदा स्नान के लिए अभय घाट पर पहुंचे।

जहां घाट पर स्नान के दौरान अचानक पानी का तेज बहाव आया, पूनम दीदी और मैं डूबने लगा। 10 मिनट बाद नाव लेकर एक नाविक पहुंचा, जिसने मेरी तो जान बचा ली, लेकिन दीदी डूब गई। कुछ घंटे बाद उसी जगह दीदी का शव मिला।

पति की कोविड में मौत, प्राइवेट जॉब करती थी पूनम

मृतक पूनम राजपूत की मौत की वजह स्नान के दौरान डूबने से हुई है। हालांकि, पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है। पूनम के परिजनों को सूचना दे दी गई है। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजन के पहुंचने पर शव उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा। इधर, प्राइवेट अस्पताल में नर्स की नौकरी करने वाली पूनम के पति हेमप्रताप राजपूत फोटोग्राफर थे, जिनकी चार साल पहले कोविड संक्रमण के चलते मौत हो गई थी।

जिले में नरवाई जलाने पर लगा प्रतिबंध, किसानों पर लगेगा 15 हजार रुपए तक का जुर्माना

सागर, एजेंसी। जिले में फसल कटाई के बाद नरवाई (फसल अवशेष) जलाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। कलेक्टर संदीप जीआर ने यह आदेश जारी किया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसानों पर 2,500 रुपए से लेकर 15,000 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही, जिले में चलने वाले सभी कंबाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा रीपर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि कंबाइन हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इससे निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण फैला रहा है और खेत की उपजाऊ मिट्टी को भी गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। आग लगाने से जमीन में मौजूद मित्र कीट और सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति कम होती है और फसल उत्पादन घटता है।

जमीन के हिसाब से तय हुई जुर्माने की राशि: प्रशासन ने नरवाई जलाने पर जमीन के रकबे के हिसाब से जुर्माना तय किया है। यह जुर्माना प्रति घटना के हिसाब से वसूला जाएगा।

महालक्ष्मी मंदिर में 300 भक्तों ने जमा कराए पैसे

महालक्ष्मीनारायण मंदिर पर भी होगी सजावट; नोटों के बनाए जा रहे वंदनवार

रतलाम, एजेंसी। दिवाली के मौके पर इस बार रतलाम के दो महालक्ष्मी मंदिर करोड़ों रुपए के नोटों से सजाए जाएंगे। माणकचौक स्थित प्रसिद्ध श्री महालक्ष्मी मंदिर के साथ ही, पहली बार कालिका माता मंदिर क्षेत्र में स्थित महा लक्ष्मीनारायण मंदिर को भी नोटों और जेवरातों से सजाया जाएगा।

दोनों मंदिरों में भक्तों द्वारा नोटों की गड्डियां देने का सिलसिला शुरू हो गया है। पिछले साल हुए विवादों के बाद इस बार माणकचौक मंदिर में ऑनलाइन एंट्री और बंदूकधारी गार्ड्स की तैनाती जैसे कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

माणकचौक मंदिर में ऑनलाइन रसीद, रजिस्टर में आधार कार्ड

देशभर में अपनी अनूठी सजावट के लिए प्रसिद्ध माणकचौक महालक्ष्मी मंदिर में इस बार पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पिछले साल पुजारी को लेकर हुए विवाद के बाद प्रशासन ने नए पुजारी अश्विन को नियुक्त किया है।

आधार कार्ड नंबर भी दर्ज किया जा रहा

जो भी भक्त सजावट के लिए नकदी या जेवरात दे रहे हैं, उनकी लैपटॉप से ऑनलाइन एंट्री की जा रही है और टोकन

के रूप में रसीद दी जा रही है। इसके अलावा, एक रजिस्टर में भक्त का फोटो, मोबाइल नंबर और आधार कार्ड नंबर भी दर्ज किया जा रहा है।

10 रुपए से 500 तक के नोट दे रहे भक्त

मंदिर में 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक के नोटों की नई गड्डियां लेकर श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पुजारी अश्विन ने बताया कि रतलाम के अलावा प्रदेश के अन्य शहरों और दूसरे राज्यों से भी भक्त आ रहे हैं। शनिवार रात तक करीब 300 भक्त अपनी श्रद्धानुसार नोट जमा करा चुके हैं। रतलाम निवासी निर्मला सोनी ने बताया कि वे हर साल की तरह इस बार भी 1 लाख 40 हजार रुपए लेकर आई हैं।

पहली बार लक्ष्मीनारायण मंदिर में भी होगी सजावट

इस साल पहली बार शहर के कालिका माता मंदिर के पीछे स्थित श्री महा लक्ष्मीनारायण मंदिर में भी नोटों और जेवरातों से भव्य सजावट की जाएगी। यहां के पुजारी दीपक व्यास ने बताया कि भक्तों ने नकदी और आभूषण जमा कराना शुरू कर दिया है।

यहां भी जमा करने वालों के आधार कार्ड की फोटोकॉपी लेकर रसीद दी जा रही है। भाई दूज के बाद सभी भक्तों को उनके आभूषण और नकदी वापस लौटा दिए जाएंगे।

झिरन्या में सोयाबीन खराब, किसान ने फसल जलाई

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के भीकनगांव और झिरन्या क्षेत्रों में कम बारिश और पीला मोजेक वायरस के कारण सोयाबीन की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। फसल खराब होने से परेशान किसानों ने फसल में ही पशु चरा दिए और रोटावेटर चला दिया। कुछ किसानों ने तो अपनी फसल में आग तक लगा दी। जिला प्रशासन ने खराब हुई फसल का सर्वे कराने का दावा किया है, जिससे किसानों को राहत मिल सके।

किसान ने दो एकड़ में बोई फसल को आग लगाई

मिटावल भावसिंगपूरा के किसान अखिलेश पटेल ने अपनी दो एकड़ जमीन में बोई हुई सोयाबीन की फसल में आग लगा दी। उन्होंने

कम बारिश और पीला मोजेक से नुकसान; प्रशासन कर रहा सर्वे

बताया कि एक एकड़ में 30 किलो बुवाई करने के बावजूद 25 किलो भी उपज नहीं मिली। वहीं, दूसरे हिस्से में 20 किलो भी उपज नहीं आ पाई, जिसके चलते उन्होंने फसल की ढेरियों को जला दिया।

कम बारिश और पीला मोजेक से चौपट हुई फसल

झिरन्या के अधिकांश क्षेत्रों में सिंचाई के साधन नहीं हैं, जिससे किसान पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहते हैं। इस बार कम बारिश और पीला मोजेक वायरस के हमले से फसलें चौपट हो गईं।

किसानों का कहना है कि जब खेत में उपज ही नहीं है, तो उन्हें भावांतर योजना का लाभ कैसे मिलेगा? वे खराब फसल के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

भीकनगांव विधायक झूमा सोलंकी ने इस संबंध में प्रशासन को अवगत कराया है और किसानों के लिए राहत राशि की मांग की है।

आरएसएस का पथ संचलन-कदमताल मिलाते अनुशासन में चले 1500 स्वयंसेवक, जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा

नर्मदापुरम, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को नर्मदापुरम में पथ संचलन निकाला गया। इसमें 1500 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने घोष की धुन पर कदमताल किया और भारत माता की जय के नारे लगाए। संचलन एसएनजी स्टेडियम से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस स्टेडियम पर समाप्त हुआ। इस दौरान शहरवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

दादा गुरु बोले- विश्व कल्याण की भावना वाला ही स्वयंसेवक

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखंड निराहार समर्थ सद्गुरु अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, ÷स्वयं सेवक वो जिसके चित में कोई जाति, ऊंच नीच का भाव नहीं। केवल परिवार, एक संस्कृति और एक ध्वज के नीचे सभी के साथ हो। एक धर्म, एक धरा और एक परिवार कल्पना किसी के चित के अंदर है, वहीं हमारा स्वयं सेवक है। विश्व के कल्याण की भावना जिसके अंदर है, वहीं स्वयं सेवक है।

शताब्दी वर्ष उत्सव का नहीं, आत्मचिंतन का अवसर

विभाग प्रचार प्रमुख संतोष नौरिया ने बताया कि इस वर्ष विजयादशमी के दिन संघ के 100 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह अवसर उत्सव का नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, समाज के प्रति आभार और राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करने का है। उन्होंने बताया कि आने वाला वर्ष संघ कार्य के विस्तार, सुदृढ़ीकरण और गुणवत्ता पर केंद्रित रहेगा।

एसएनजी स्टेडियम से शुरू हुआ संचलन

यह विशाल पथ संचलन एसएनजी स्टेडियम ग्राउंड से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में अमृतवचन, एकल गीत, बौद्धिक और शस्त्र पूजन हुआ। इसके बाद घोष की धुन के साथ संचलन विवेकानंद घाट, मीनाक्षी चौक, एकता चौक होते हुए वापस स्टेडियम पहुंचकर समाप्त हुआ। यह संचलन देशभर में 2 से 12 अक्टूबर तक आयोजित हो रही कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है।

नगरपालिका ने जर्जर भवनों को नोटिस दिए

मालिकों को मरम्मत या ध्वस्तीकरण के लिए दो दिन का समय

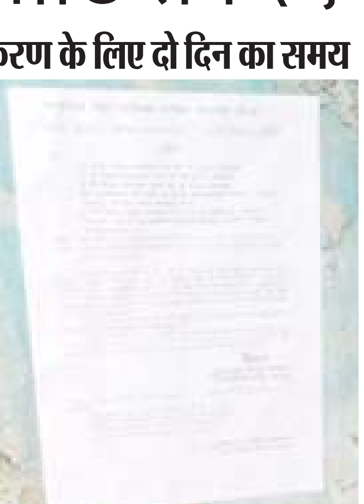

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर नगरपालिका ने शहर में जीर्ण-शीर्ण और क्षतिग्रस्त भवनों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में, मुख्य नगर पालिका अधिकारी माधुरी शर्मा ने चार व्यक्तियों को नोटिस जारी किए हैं। जारी नोटिस के अनुसार, महल रोड स्थित बालाजी मंदिर के सामने भवन क्रमांक 64 जो कि उमाशंकर दफ्तरी का है। यह भवन अत्यंत पुराना और जर्जर अवस्था में है। इसकी दीवारें और ढांचा कमजोर हो चुके हैं, किसी भी समय इसके गिरने की आशंका है। यह भवन आसपास के निवासियों और राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है।

हानि हुई तो मालिक जिम्मेदार होंगे

नगरपालिका ने चेतावनी दी है कि यदि भवन के अचानक गिरने से कोई जनहानि या संपत्ति की क्षति होती है, तो इसके लिए संबंधित मालिकगण स्वयं जिम्मेदार होंगे। नगरपालिका ने चित्रकूट निवासी निशा उपाध्याय पत्नी स्व. बृजेश उपाध्याय, गोपाल उपाध्याय, विजय उपाध्याय और वसबनीगर मोहल्ला निवासी राकेश कुमार उपाध्याय नोटिस को दिए गए है।

भवन ध्वस्त नही किये तो नगर पालिका कार्रवाई करेगी

सीएमओ ने निर्देश दिए हैं कि दो दिन के भीतर भवन की सावधानीपूर्वक मरम्मत या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। वहीं इसका पालन प्रतिवेदन नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत किया जाए। नगरपालिका ने कहा है कि यदि निर्धारित समय में कार्रवाई नहीं की जाती है, तो मध्य प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 221 के तहत निकाय स्वयं भवन को हटवाएगा। इस कार्य में आने वाला पूरा व्यय संबंधित मालिकों से वसूला जाएगा। नगरपालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसे पुराने और जर्जर भवनों की सूचना तुरंत नगरपालिका को दें, ताकि किसी भी हादसे से बचा जा सके।

विधिक जागरूकता :कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

सांचेत, एजेंसी। बाहेड़िया गांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं और न्याय तक आसान पहुंच की जानकारी दी गई। जिला न्यायाधीश ने कहा, हर नागरिक को न्याय पाने का अधिकार है। इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण लगातार काम कर रहा है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की। कहा, ऐसे कार्यक्रम गांव-गांव में नियमित होने चाहिए। इससे जन-जागरूकता और न्यायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में सरपंच बाबरी मीणा और ग्राम पंचायत के सभी ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दवा दुकानों पर फार्मासिस्ट नही : नौसीखिए बेच रहे दवाएं

सीहोर, एजेंसी।। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत की घटना के बाद भी सीहोर जिले की अधिकांश मेडिकल दुकानों पर बिना प्रशिक्षित फार्मासिस्ट के ही दवाएं बेची जा रही हैं। इससे मरीजों की जान जोखिम में डालने का सिलसिला लगातार जारी है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। मामले में सीएमएचओ ने जांच की बात कही है।

लाइसेंस किसी का, दुकान कोई और चला रहा

स्थानीय लोगों ने बताया कि जिले में कई दवा दुकानें नियमों का खुला उल्लंघन कर रही हैं। लाइसेंस किसी फार्मासिस्ट के नाम पर जारी होता है, लेकिन दवा दुकान किसी और के द्वारा चलाई जा रही है। इतना

लोग बोले- छिंदवाड़ा हादसे के बाद भी स्वास्थ्य विभाग सतर्क नहीं

ही नहीं, दवाएं देने वाले भी अनट्रेंड और अक्सर आठवीं या दसवीं पास युवक होते हैं, जिन्हें दवाओं की जानकारी तक नहीं होती।

बिना रजिस्ट्रेशन कर रहे इलाज

कुछ मेडिकल दुकानों पर बाहरी डॉक्टर बिना जिला कार्यालय में पंजीकरण कराए मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ये लोग मरीजों से फीस लेकर इलाज करते हैं और चले जाते हैं। कई बार बिना किसी उचित परामर्श के दवाएं दे दी जाती हैं, जिससे मरीजों की हालत और बिगड़ जाती है।

ड्रग इंस्पेक्टर की निगरानी पर सवाल

दवा दुकानों की निगरानी और जांच के लिए जिला स्तर पर ड्रग इंस्पेक्टर की नियुक्ति की गई है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। छिंदवाड़ा में जहरीली दवा के कारण हुई मौतों के बाद भी जिले में अब तक किसी दुकान की व्यापक जांच नहीं की गई है।

जिले की दुकानों की जांच करेंगे

ड्रग इंस्पेक्टर किरण मगरे ने कह कि समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। अनियमितता मिलने पर कार्रवाई भी होती है। फिलहाल मैं छिंदवाड़ा की जांच टीम का हिस्सा हूं, लेकिन जैसे ही समय मिलेगा, जिले की दुकानों की जांच फिर से की जाएगी।

सीएमएचओ ने दिए जांच के निर्देश

वहीं सीएमएचओ डॉ. सुधीर डहेरिया ने कहा कि मेडिकल दुकानों की जांच का काम ड्रग इंस्पेक्टर का है। उन्होंने बताया कि जांच के निर्देश दिए जा चुके हैं और जल्द ही इसकी स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

यह दुखद है, भारत बनाम वेस्टइंडीज सीरीज में न चुने जाने पर बोले अभिमन्यु ईश्वरन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए टीम से बाहर किए जाने के बावजूद अभिमन्यु ईश्वरन भारत के लिए पदार्पण करने को लेकर अब भी उत्साहित हैं। इंग्लैंड दौरे पर वह पूरी सीरीज में बेंच पर बैठे रहे, लेकिन घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें जगह नहीं मिली। अब यह सलामी बल्लेबाज आगामी रणजी ट्रॉफी में बंगाल की कप्तानी करेगा।

कभी-कभी यह दुख देता है, लेकिन मैं प्रेरित हूं: रेवस्पोर्ट्ज से बातचीत में ईश्वरन ने कहा, ÷हां, कभी-कभी यह दुख देता है। आप पूरी मेहनत करते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं, और सपना मैदान पर बने रहने का होता है, अच्छा प्रदर्शन करने का, जीत में योगदान देने का। लेकिन मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे पास एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम मेरा परिवार, दोस्त और कोच हैं। वे मुझे जमीन से जुड़े रहने और प्रेरित रहने में मदद करते हैं। फिलहाल मैं अच्छी मानसिक स्थिति में हूं और रणजी सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।÷

15 खिलाड़ियों ने किया डेब्यू, ईश्वरन अब भी इंतजार में: ईश्वरन ने टीम में पहली बार चुने जाने के बाद से अब तक 15 खिलाड़ियों को टेस्ट डेब्यू करते देखा है, जिनमें यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं। लगातार बेंच पर बैठने के बावजूद वह हिम्मत नहीं हार रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करके दोबारा टीम में जगह बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। 30 की उम्र में भी ईश्वरन का आत्मविश्वास कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वह माइकल हसी और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं, जिन्होंने करियर में देर से डेब्यू किया लेकिन शानदार सफलता हासिल की। उन्होंने कहा, ÷मैं माइकल हसी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। ऑस्ट्रेलिया में डेब्यू करने से पहले वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे थे।

रेहमत शाह ने चलते मैच में व्हीलचेयर पर छोड़ा मैदान

अबू धाबी, एजेंसी। अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे ODI में रेहमत शाह (Rehmat Shah) ने अपनी टीम के लिए जोश और हिम्मत दिखाने की कोशिश की, लेकिन पिंडली की चोट ने उनके अभियान को रोक दिया। नो.4 पर बल्लेबाजी करने उतरे शाह ने 15वें ओवर में रन लेने के दौरान चोट महसूस की। उन्होंने पहले ही 11 गेंदों में 9 रन बनाए थे। चोट के बावजूद शाह ने बल्लेबाजी जारी रखने की कोशिश की, लेकिन गेंद को खेलते ही संतुलन खो दिया। टीम की मेडिकल टीम ने तुरंत उनकी देखभाल की, लेकिन उन्हें व्हीलचेयर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। यह दृश्य क्रिकेट प्रेमियों के लिए चौंकाने वाला रहा और कई लोगों ने इसे सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया। 32 वर्षीय शाह, जिन्होंने पहले ODI में पचास रन बनाए थे, अब तीसरे ODI में खेलने की संभावना कम है। अफगानिस्तान टीम फिजियो निर्मलन थनाबलासिंगम ने कहा कि शाह को आवश्यक जांच और इमेजिंग के बाद ही मैदान पर वापस उतारा जाएगा। इस मैच में अफगानिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ाई और टीम 190 रन पर ऑल आउट हो गई।

महिला विश्व कप : बल्ले के बाद गेंद से नेट सेवियर ब्रंट का शानदार प्रदर्शन

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हराया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के 12वें मैच में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हरा दिया है। श्रीलंका विश्व कप में अब तक एक भी मैच नहीं जीत सकी है। कोलंबो के आर प्रेमदासा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका की टीम 45.4 ओवर में 164 रन पर सिमट गई और 89 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई। श्रीलंका के लिए हसिनी परेरा ने 35, हर्षिता समरविक्रमा ने 33 और निलाक्षिका सिल्वा ने 23 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सकीं।

इंग्लैंड के लिए सोफी एक्लेस्टन ने बेहतरीन गेंदबाजी की। एक्लेस्टन ने 10 ओवर में 3 मेडन फेंके और सिर्फ 17 रन देते हुए 4 विकेट झटके। कप्तान नेट सविियर ब्रंट और चार्ली डीन ने 2-2, लिंसे स्मिथ और एल्सी कैप्सी ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 253 रन बनाए थे। कप्तान नेट सेवियर ब्रंट के 117 गेंद पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से बनाए 117 रन की शतकीय पारी खेली थी।

कप्तान के अलावा टैमी ब्यूमाउंट ने 29 गेंद पर 32, हिदर नाईट ने 47 गेंद पर 29 और चार्ली डिन ने 36 गेंद पर 19 रन बनाए। सभी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत मिलने के बाद भी अपनी पारी को बड़ा नहीं

कर पाई। नेट सेवियर ब्रंट ने एंकर भूमिका निभाई। वह नौंवे विकेट के रूप में आउट हुई। इस दौरान छोटी-छोटी साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर उन्होंने 253 तक पहुंचाया। श्रीलंका के लिए इनोका रानावीरा ने 10 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। वह टीम की तरफ से श्रेष्ठ गेंदबाज रहीं। इसके अलावा उदेशिका प्रबोधनी ने 9 ओवर में 55 रन देकर 2, सुगंदिका कुमारी ने 10 ओवर में 66 रन देकर 2, और कविशा दिल्हाड़ी ने 8 ओवर में 34 रन देकर 1 विकेट लिए। श्रीलंका की तीसरे मैच में यह दूसरी हार है। एक मैच बारिश की वजह से धुल गया था। अंकतालिका में श्रीलंका सातवें स्थान पर है। वहीं इंग्लैंड 3 मैच में 3 जीत के साथ 6 अंक लेकर पहले स्थान पर चली गई है।

विश्व शतरंज कप 2025

गोवा में होगा 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि का अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध

गोवा, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज फेडरेशन ने वर्ल्ड शतरंज कप 2025 के पहले राउंड के मुकाबलों की सूची जारी कर दी हैं। 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि की यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता इतिहास में पहली बार 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक भारत के गोवा में आयोजित की जाएगी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि संसार के 70 से अधिक देशों से कुल 206 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे, 50 शीर्ष वरीय खिलाड़ी सीधे दूसरे राउंड से शुरुआत करेंगे। बाकी 156 खिलाड़ी पहले राउंड में अपने स्थान के लिए संघर्ष करेंगे। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुक़ाबला खेलेंगे। भारतीय ओलम्पिक संघ आईओए से मान्यता प्राप्त महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के नेतृत्व वाली भारत सरकार से एकमात्र आयकर छुट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि यह इंटरनेशनल टूर्नामेंट न केवल 20 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 17 करोड़ रुपये) की इनामी राशि के लिए खेला जाएगा, बल्कि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधी जगह भी मिलेगी।

मेजबान देश के तौर पर भारत को दो अतिरिक्त स्थान मिले हैं, जिन्हें प्रणव वेंकटेश और रौनक साधवानी को दिया गया है। दोनों की मौजूदा रेटिंग 2641 है। प्रणव 2025 विश्व जूनियर चैंपियन है जबकि रौनक भारत के सबसे युवा ग्रांडमास्टर्स में से एक है, जिन्होंने 2024 लंदन चेस मास्टर्स जीता था। इन दोनों खिलाड़ियों के जुड़ने से भारतीय चुनौती और भी मजबूत हो गई है।

विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंधा, अरुण एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन और कई अन्य भारतीय शीर्ष खिलाड़ी पहले ही सूची में हैं। महिला विश्व कप विजेता ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को भी फीडे ने एक विशेष वाइल्डकार्ड के रूप में शामिल किया है।

भारत में ऐतिहासिक आयोजनः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि ऐसा इतिहास में पहली बार होगा जब विश्व कप प्रतियोगिता भारत की धरती पर खेली जाएगी।

भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुक़ाबला खेलेंगे जबकि पहले राउंड में राजा ऋत्विक कज़ाकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक से, हर्षवर्धन जीबी तुर्की के यिलमाज मुस्तफा से, एसएल नारायनन पेरु के रोजस सालस स्टीवन से, प्रणव वी अल्जीरिया के आला एडिने से, इनियन पी क्यूबा के डाइलन ईसीडरों से, ललित बाबू नीदरलैंड के मैक्स वरमरदम से, दीप्तयन घोष चीन के पेंग क्षिओंगीयन से, कार्तिक वेंकटरामन कोलंबिया के रोबेर्टो पांतोजा से, रौनक साधवानी साउथ अफ्रीका के बररिश डेनियल से, नीलाश सहा उरुग्वे के मेरर जॉर्ज से, सूर्या शेखर गांगुली अजरबैजान के अहमद अहमदजादा से खेलेंगे और दिव्या देशमुख ग्रीस के अर्डितीस स्तमटिस से मुक़ाबला खेलेंगी।

रन आउट खेल का हिस्सा , मेरा लक्ष्य क्रीज पर लंबा समय बिताना होता है : यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे टेस्ट के दूसरे दिन के खेल की समाप्ति के बाद भारतीय टीम मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। दूसरे दिन शुभमन गिल के शतक के साथ-साथ यशस्वी जायसवाल का रन आउट होना चर्चा का विषय रहा। रन आउट होने की वजह से जायसवाल अपना तीसरा दोहरा शतक लगाने से चूक गए। खेल की समाप्ति के बाद जायसवाल ने कहा, रन आउट खेल का हिस्सा है। मेरी कोशिश हमेशा क्रीज पर लंबा समय बिताने और टीम का लक्ष्य के मुताबिक खेलने की होती है। मैं क्रीज पर रहते हुए हमेशा खेल को गति देने की कोशिश करता हूं। बल्लेबाजी के लिए आते समय मेरे दिमाग में यही था कि एक घंटे बल्लेबाजी कर लूंगा

तो रन बनाना आसान हो जाएगा। विकेट अभी भी बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा है। हम बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। हमारी कोशिश वेस्टइंडीज को जल्दी से जल्दी आउट करने की है। पहले दिन 173 रन बनाकर नाबाद रहे जायसवाल से शनिवार को दोहरे शतक की उम्मीद थी, लेकिन सिर्फ 2 रन जोड़ने के बाद वह रन आउट हो गए। जायसवाल का यह सातवां टेस्ट शतक था। वह 175 रन की पारी खेलकर आउट हुए। शुभमन गिल ने अपना दसवां टेस्ट शतक लगाया। वह 129 रन बनाकर नाबाद रहे। साई सुदर्शन ने 87 रन बनाए थे। इन तीनों की पारी की बदौलत भारत ने 5 विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज ने 4 विकेट के नुकसान पर 140 रन बना लिए हैं। भारत से पहली पारी के आधार पर वेस्टइंडीज अभी भी 378 रन पीछे है। तीसरे दिन वेस्टइंडीज पर फॉलोऑन का खतरा होगा। पिच स्पिनरों को भरपूर मदद दे रही है। वेस्टइंडीज के गिरे सभी चार विकेट स्पिनरों ने लिए हैं। रवींद्र जडेजा ने 3 और कुलदीप यादव ने 1 विकेट लिया है।

एशेज से पहले भारत के खिलाफ खेलने का यह सही समय है : मिशेल मार्श

नई दिल्ली, एजेंसी । ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज से पहले भारत के खिलाफ खेलना उनकी टीम के लिए आदर्श और समयोचित चुनौती साबित होगा। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच न सिर्फ गहरी प्रतिद्वंद्विता है बल्कि पारस्परिक सम्मान भी उतना ही मजबूत है।

भारत दौरे का पूरा शेड्यूल

वनडे सीरीज

पहला मैच - 19 अक्टूबर, पर्थ
दूसरा मैच - 23 अक्टूबर, एडिलेड ओवल
तीसरा मैच - 25 अक्टूबर, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड

टी20आई सीरीज

29 अक्टूबर~ कैनबरा (मनुका ओवल)
31 अक्टूबर~ मेलबर्न (MCG)
2 नवंबर~ होबार्ट (बेलेरिव ओवल)
6 नवंबर~ गोल्ड कोस्ट स्टेडियम
8 नवंबर~ ब्रिस्बेन (गाबा)

भारत के खिलाफ खेलना हमेशा शानदार अनुभव होता है: मिशेल मार्श ने कहा, हमारे सभी खिलाड़ी एशेज की तैयारी में जुटे होंगे, लेकिन सभी को भारत के खिलाफ खेलना पसंद है। एक टीम के तौर पर हमारे बीच शानदार प्रतिद्वंद्विता है और हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत के खिलाफ खेलना बिल्कुल सही समय है। यह बहुत बड़ी होने वाली है।

विश्व कप के बाद वापसी की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया: मार्श ने कहा कि उनकी टीम कैरेबियन और अमेरिका में हुए निराशाजनक टी20 विश्व कप प्रदर्शन से उबरने के लिए पूरी तरह तैयार है। आने वाले तीन हफ़्तों में ऑस्ट्रेलिया, भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज़ के ज़रिए अपनी लय और संयोजन दुरुस्त करना चाहेगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की प्रतिद्वंद्विता ने फिर बढ़ाया रोमांच: पिछले साल की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ने यह साबित किया था कि दोनों टीमों के बीच का मुकाबला कितना तीव्र और दर्शनीय हो चुका है। मार्श ने कहा कि भारत के खिलाफ हर मैच एक बड़ी परीक्षा होती है, और यही हमें एशेज जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। दिलचस्प बात यह है कि 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) में खेले जाने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20 मैच के लिए टिकट दो सप्ताह पहले ही पूरी तरह बिक चुके हैं, जो इस मुकाबले के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दर्शाता है।

गिल को टेस्ट कप्तान बनाने के फैसले पर बोले कोच गंभीर, या तो डूबना होगा या सबसे बेहतरीन बनना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच गौतम गंभीर ने खुलासा किया कि जब उन्होंने शुभमन गिल को भारत का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया था, तब उनकी बातचीत कैसी रही। 25 साल के गिल को रोहित शर्मा के अचानक से टेस्ट क्रिकेट से रिटायर होने के बाद कप्तानी सौंपी गई थी। गंभीर ने कहा, ÷मैंने गिल से कहा कि हमने तुम्हें गहरे समुद्र में फेंक दिया है। अब तुम्हें या तो डूबना होगा या सबसे बेहतरीन तैराक बनना होगा।''

गिल ने इस चुनौती को बखूबी निभाया। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में गिल ने 754 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल थे, और टीम का नेतृत्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने उनकी कप्तानी और दबाव संभालने की क्षमता की तारीफ की और कहा कि गिल ने अपनी सबसे कठिन परीक्षा पास कर ली है।

इस शानदार प्रदर्शन के बाद, गिल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ODI सीरीज में भारत का कप्तान भी नियुक्त किया गया है।

कबड्ड़ी कुंभ : सर्कल कबड्ड़ी की 32वीं सीनियर चैंपियनशिप प्रारम्भ

चंडीगढ़, एजेंसी। 11 से 13 अक्टूबर तक चलने वाली सर्कल कबड्ड़ी की 32वीं राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला चैम्पियनशिप का विधिवत उद्घाटन आज पंजाब विश्विद्यालय में हुआ जिसका आयोजन एमेच्योर सर्किल कबड्डी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के किया। चैंपियनशिप का उद्घाटन, मुख्य अतिथि चंडीगढ़ के पूर्व सांसद एवं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ़ इंडिया सत्य पाल जैन ने किया और पंजाब विश्वविद्यालय की वाईस चांसलर प्रोफेसर रेणु विग विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। इस अवसर पर पूर्व मेयर चंडीगढ़ एवं अमैच्योर सर्कल कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट देवेश मौदगिल तथा जनरल सेक्रेटरी (1978 से) जेपी शर्मा ने अतिथियों एवं खिलाडियों का स्वागत किया।

चैंपियनशिप प्रारम्भ की विधिवत घोषणा के बाद पूर्व सांसद एवं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ़ इंडिया सत्य पाल जैन ने एमेच्योर सर्किल कबड्डी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया को इस राष्ट्रीय कबड्ड़ी कुंभ के आयोजन पर बधाई दी और देश भर से आय पुरुष एवं महिला खिलाडियों को अपनी शुभकामनाएं

दी, और कहा के आज युवा खेल के माध्यम से अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य खेलों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ कर विकसित, स्वस्थ और संपन्न भारत का निर्माण करना है। जैन ने कहा के खेलो से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और गर्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने एमेच्योर सर्किल कबड्ड़ी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के नशे से दूर , जियो भरपूर शीर्षक के साथ इस आयोजन की प्रशंसा भी की और आय हुए खिलाडियों से नशा उन्मूलन अभियान को समाज के कोने कोने तक पहुंचने का आह्वान भी किया।

पंजाब विश्विद्यालय की वाईस चांसलर प्रोफेसर रेणु विग ने देश भर से कबड्ड़ी कुंभ में आय खिलाडियों का पंजाब विश्विद्यालय आगमन पर स्वागत किया और खेलो के विकास के लिए अपनी हर संभव मदद का आश्वासन भी दिय । उन्होंने कहा के कहा के पंजाब विश्विद्यालय युवा खिलाड़ियों की उत्तम नर्सरी है जिसने देश को कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए है। उन्होंने कहा के खेलो के विकास के लिए भविष्य में भी सदैव पंजाब विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता रहेगा।

पूर्व मेयर चंडीगढ़ एवं अमैच्योर सर्कल कबड्ड़ी फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेजिडेंट देवेश मौदगिल तथा जनरल सेक्रेटरी जेपी शर्मा ने कहा कि एमैच्योर सर्कल कबड्ड़ी फेडरेशन ऑफ इंडिया देशभर में सर्कल कबड्ड़ी जैसे स्वदेशी खेल के प्रचार-प्रसार और विकास के लिए समर्पित प्रमुख संस्था है।

फेडरेशन के अध्यक्ष देवेश मौदगिल ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया जी के नशे के विरुद्ध अभियान नशे से दूर जियो भरपूर का समर्थन करते हुए कहा के ये राष्ट्रीय चैंपियनशिप नशे को रोकने के अभियान में एक अभियान और योगदान है। यह फेडरेशन न केवल जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करती है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व भी करती है। इस कबड्ड़ी कुंभ में हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, झारखंड, विदर्भ, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और असम की टीमें भाग लेंगी। उद्घाटन समारोह के बाद आज तीन मैच खेले गए।

आदिवासी इलाके से निकलकर दुनिया में छाप छोड़ने वालीं सरिता गायकवाड़, जिनकी सफलता में पीएम मोदी ने निभाया रोल

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के आदिवासी इलाके डांग से निकलकर सरिता गायकवाड़ ने भारतीय एथलीट जगत में अपनी खास पहचान बनाई है। सरिता ने अपने शानदार प्रदर्शन के साथ भारत को कई मेडल दिलाए हैं, लेकिन एक सुदूर आदिवासी गांव से अंतरराष्ट्रीय खेल जगत तक का सफर इतना आसान नहीं था। जब सरिता गायकवाड़ संघर्ष कर रही थीं, उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी मदद की। जैसे-जैसे सरिता बड़ी हुई, एथलेटिक्स के प्रति उनमें जुनून पैदा हुआ। गुजरात का खेल महाकुंभ सरिता की जिंदगी में नया मोड़ लेकर आया। राज्य स्तर पर खेलते हुए सरिता ने सभी को प्रभावित किया। उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी से एक जोड़ी जूते मिले। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया।

सरिता ने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म के मोदी स्टोरी हैंडल पर बताया, मैं ऐसी पृष्ठभूमि से आई हूं कि एक जोड़ी स्पोर्ट्स शूज भी नहीं खरीद सकती थी। मुझे अपने जीवन का पहला गिफ्ट मोदी जी से एक जोड़ी जूते मिले थे। खेल महाकुंभ में शानदार प्रदर्शन के चलते गुजरात सरकार ने सरिता को 25,000 का पुरस्कार दिया था, जिसे याद करते हुए

सरिता ने बताया, वह 25 हजार रुपये मेरे लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुए। इसने मुझे अपनी जिंदगी पटरी पर लाने में मदद की। इसके बाद सरिता को एक स्पोर्ट्स हॉस्टल में एडमिशन मिला। यहां उन्हें पेशेवर कोचिंग, मेडिकल सहायता और मार्गदर्शन मिला। 1 जून 1994 को गुजरात में जन्मीं सरिता पहले खो-खो खिलाड़ी थीं, उन्होंने साल 2010 तक इसी खेल को खेला, लेकिन इसके बाद वह एक धाविका बन गई।

सरिता गर्व और कृतज्ञता के साथ बताती हैं, मोदीजी के लड़कियों के प्रति स्नेह के कारण मेरी जिंदगी बदल गई। यह उनकी दूरदर्शिता ही थी जिसने मुझ जैसी आदिवासी लड़की को जंगल से दुनिया तक पहुंचाया। सरिता ने जकार्ता एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस सफलता के लिए सरकार ने उन्हें 1 करोड़ का पुरस्कार दिया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी के सहयोग से उन्हें गुजरात सरकार में नियुक्त किया गया।

साल 2011 में कोच की सलाह पर सरिता 400 मीटर हर्डल और 400 मीटर रेस की स्पेशलिस्ट बनीं।

स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का जशपुर में हुआ शुभारंभ

पहले दिन प्रदेश के 204 खिलाड़ियों ने शतरंज की बिसात पर दिखाया जौहर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट का शुभारंभ आज जशपुर के बालाजी मंदिर के पास स्थित कम्युनिटी हॉल में जशपुर विधायक रायमुनी भगत की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में खेल संस्कृति विकसित करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में जशपुर में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ स्टेट चेस एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस टूर्नामेंट में पहले दिन 204 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

विधायक रायमुनी भगत ने की शतरंज टूर्नामेंट की औपचारिक शुरुआत: विधायक भगत ने शतरंज में हाथ आजमाते हुए औपचारिक रूप से खेल की शुरुआत की और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज का खेल मस्तिष्क का एक व्यायाम है जो भारत में पुराने समय से ही खेला जा रहा है। खेल की इस परंपरा से नागरिकों का परिचय

कराना और इस क्षेत्र में प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित मंच प्रदान करना छत्तीसगढ़ की सरकार का उद्देश्य है। इस प्रकार के टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक वर्ष होना चाहिए। कलेक्टर जशपुर ने कहा कि जिले में कि जशपुर में भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है ,वे आने वाले समय में राष्ट्रीय -अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिले को नई पहचान दिलाएंगें और विश्व चौंपियन बनेंगे। पहले दिन दो राउंड में 204 खिलाड़ियों ने शतरंज खेला। इसमें इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त 38 खिलाड़ी भी शामिल है। स्विस लीग पद्धति से आयोजित इस टूर्नामेंट में 08 साउंड के खेल सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेलने होंगे। पूरे 08 राउंड के प्रदर्शन के अनुसार खिलाड़ियों की रैंकिंग तय की जाएगी ।

छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट उद्घाटन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, नरेश नंदे, चेस एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी सरोज वैष्णव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर व्यास संग जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार ने भी शतरंज के खेल में हाथ आजमाया। शतरंज आयोजन समिति के अध्यक्ष ने जिले में खेल को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों, भारत में शतरंज के गौरवशाली इतिहास, टूर्नामेंट की विस्तृत जानकारी के विषय में बताते हुए खिलाड़ियों को उत्साह और खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा। इस दौरान आयोजन समिति के सचिव एवं खेल अधिकारी सहित समिति के पदाधिकारी एवं छत्तीसगढ़ स्टेट लेवल ओपन चेस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ ही उनके खेल अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन, पारदर्शिता और जनहित पर केंद्रित होगी मुख्यमंत्री की कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 12 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर शामिल होंगे। कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, सुशासन की स्थिति और जनसेवा की गुणवत्ता पर समीक्षा की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश के कृषि क्षेत्र को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पीएम धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का वर्चुअल शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशभर के किसान भाइयों-बहनों को संबोधित करते हुए 42 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दंतेवाड़ा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यक्रम में वन, जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप भी शामिल हुए।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश कृषि क्रांति के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य भारत को आर्थिक दृष्टि से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनाना है और इस दिशा में कृषि क्षेत्र की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन भारत को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का एक बड़ा कदम है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों की आमदनी दोनों में वृद्धि होगी।

उन्होंने बताया कि इस मिशन के तहत देश के 100 जिलों का चयन किया गया है। जिनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, कोरबा और जशपुर जिले भी शामिल हैं। यह राज्य के लिए गर्व का विषय है कि अब छत्तीसगढ़ भी दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होगा। वन मंत्री कश्यप ने कहा कि दंतेवाड़ा जिला पहले से ही उद्यानिकी, मिलेट्स, प्राकृतिक खेती, वनोपज, डेयरी और मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। अब दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की आय में और वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने जिले के सभी किसानों और कृषक समूहों को इस मिशन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वन मंत्री कश्यप ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के श्विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु छत्तीसगढ़ के किसानों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जय जवान, जय किसान का नारा आज भी देश की आत्मा है! हमारे जवान सीमाओं की रक्षा करते हैं और किसान अपने श्रम से भारत को समृद्ध बनाते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़े उत्साह के साथ देखा और सुना गया। इस अवसर पर विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ, विभागीय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

डी.ए.वी. राज्य स्तरीय खेल में दूसरे दिन भी खिलाड़ियों ने दिखाया ज़बरदस्त जोश

जगदलपुर, एजेंसी। तीन दिवसीय डी.ए.वी. राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज क्रीड़ा परिसर, धरमपुरा में खिलाड़ियों का जोश अपने चरम पर रहा। प्रदेश के विभिन्न क्लस्टरों से आए विद्यार्थियों ने कबड्डी, खो-खो, शॉटपुट, गोला फेंक, लंबी कूद, तीरंदाजी, क्रिकेट, तवा फेंक और ऊँची कूद जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का माहौल दिन भर उत्साह और ऊर्जा से भरा रहा। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। शिक्षकों एवं खेल प्रशिक्षकों ने लगातार बच्चों का उत्साह बढ़ाया, जिससे खेल का स्तर ऊँचा उठा। सभी प्रतिभागियों ने उच्च खेल भावना और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया।दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं में दुर्ग (क्लस्टर 1) और बस्तर (क्लस्टर 2) का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा। दुर्ग क्लस्टर ने कई महत्वपूर्ण स्पर्धाओं में जीत हासिल कर अपना दबदबा बनाया। दूसरे दिन आयोजित खेल प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे :- खो-खो बालिका बस्तर (क्लस्टर 2) दुर्ग (क्लस्टर 1) खो-खो बालक बस्तर (क्लस्टर 2) रायगढ़ (क्लस्टर 5) कबड्डी बालक सरगुजा (क्लस्टर 6) बीजापुर (क्लस्टर 3) कबड्डी बालिका दुर्ग (क्लस्टर 1) बस्तर (क्लस्टर 2) बास्केटबॉल बालक दुर्ग (क्लस्टर 1) कोरबा (क्लस्टर 4) क्रिकेट विजेता दुर्ग (क्लस्टर 1) बस्तर (क्लस्टर 2) हैंडबॉल विजेता दुर्ग (क्लस्टर 1) रायगढ़ (क्लस्टर 5) कराटे (45-50 किग्रा) विजेता दुर्ग (क्लस्टर 1)

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंडागांव में विश्व बालिका दिवस पर हुआ विविध कार्यक्रम का आयोजन

कोंडागांव, एजेंसी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव वर्ष 2025 का आयोजन 10 से 17 अक्टूबर तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में आज 11 अक्टूबर को विश्व बालिका दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिला में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में कोंडागांव के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आज रंगोली प्रतियोगिता रखा गया, जिसमें कक्षा 12वीं की टीम से कु. हिमाक्षी, कु. चांदनी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम पर रंगोली बनाया वही, कक्षा नवमी से कुमारी पावनी, कुमारी तानी कुमारी डीकेश्वरी एवं कुमारी तनु ने विश्व बालिका दिवस की थीम पर रंगोली बनाया वही कक्षा ग्यारहवीं से कुमारी चंचल एवं कुमारी गरिमा कुमारी महेश्वरी एवं टिकेश्वरी ने रंगोली बनाकर प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित मानसिक स्वास्थ्य की टीम से कुमारी निधि साहू वीरेंद्र केला विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सोरी के द्वारा बालिकाओं को मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखना एवं उनको मिलने वाला अधिकारों के बारे में जानकारी दिए। स्कूल में उपस्थित विद्यार्थियों को फिजिकल एक्टिविटी कराकर मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने की जानकारी साझा किया। इसमें कक्षा ग्यारहवीं से कुमारी धनेश्वरी की टीम ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए किया वीरेंद्र किला के द्वारा नशा मुक्ति संबंधी जानकारी तंबाकू से होने वाले नुकसान एवं दुष्प्रभाव की जानकारी साझा किया गया। कांतेश देवांगन ने टीबी के लक्षण एवं उपचार तथा निक्षय मित्र पोषण आहार एवं टीबी के निशुल्क दवाई वितरण की जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के 565 विद्यार्थी एवं 24 शिक्षकगण शामिल हुए।

भारती सिंह बनीं 'ऊर्जा उत्पादक' सोलर रूफटॉप से घर बना मिनी पावरहाउस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के चालू होने के एक वर्ष के भीतर ही शानदार परिणाम सामने आए हैं। जहाँ परिवार की औसत मासिक खपत लगभग 1200 यूनिट है, वहीं सोलर पैनल 850 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन हर माह कर रहा है। यानी उनकी कुल खपत का करीब 70 प्रतिशत बिजली अब सूर्य से प्राप्त हो रही है। सिंह ने मुस्कराते हुए कहा कि ÷पहले हम सिर्फ बिजली जलाते थे, अब हम इसे बनाते भी हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक महिला उपभोक्ता ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। खैरागढ़ के गंजीपारा निवासी श्रीमती भारती सिंह ने अपने घर की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर अपने घर को एक मिनी पावरहाउस में बदल दिया है। समाचार माध्यमों के जरिए योजना की जानकारी मिलते ही श्रीमती

सिंह ने तुरंत पहल की। लगभग 6 लाख रूपए की लागत से स्थापित यह प्रणाली उनके घर को न सिर्फ बिजली उपभोक्ता बल्कि उत्पादक भी बना रही है।

सरकारी सब्सिडी से मिला लाभ खर्च कम हुआ: इस परियोजना की वास्तविक लागत को कम करने में केंद्र सरकार की 78 हजार रूपए और राज्य सरकार 30 हजार रूपए की सब्सिडी 3 किलोवॉट की सौर संयंत्र की स्थापना पर दे रही है, इससे निवेश का बोझ काफी हल्का हुआ।

8 साल में लागत वसूली, 17 साल तक मुफ्त बिजली: श्रीमती सिंह का अनुमान है कि 8 से 9 वर्षों में निवेश की पूरी लागत वसूल हो जाएगी, जिसके बाद अगले 17 वर्षों तक उन्हें मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। यह कदम न केवल आर्थिक रूप से लाभदायक है, बल्कि देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे भी इस ऐतिहासिक योजना का लाभ उठाएँ और ऊर्जा उत्पादक बनने की दिशा में कदम बढ़ाएँ।

छत्तीसगढ़ का हो रहा चहुंमुखी विकास

129.8 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास हो रहा है। समाज के अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से क्षेत्र के विकास के लिए कोई भी कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। वे आज गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले के ग्राम मटियाडांड में आयोजित अन्तर्राज्यीय भैना समाज के नवाखाई महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे।

पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने इस अवसर पर गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले को 129 करोड़ 8 लाख 26 हजार रूपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भैना समाज द्वारा जो भी मांग की गई है, उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर भैना समाज के लोगों द्वारा सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शॉल और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम में भैना समाज के नर्मदांचल पेण्ड्रा परिक्षेत्र के अध्यक्ष सेमलाल रघुवंश ने सामाजिक मांगों के संबंध में जानकारी दी।

पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने कार्यक्रम में जिन नवनिर्मित कार्यों का लोकर्पण किया उनमें 54.78 करोड़ रूपये की लागत के 23 कार्यों और 74.29 करोड़ रूपये की लागत के 81 कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं। उन्होंने इस मौके पर चौक-चौराहों में समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए 30 नग हाईमास्ट लाईट के लिए 1 करोड़ 61 लाख रूपये स्वीकृत करने की घोषणा की। कार्यक्रम में किसान समृद्धि योजना के तहत नलकूप खनन एवं पम्प स्थापना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के तहत चक्रीय निधि और महिला कोष के अंतर्गत सक्षम योजना के तहत 22 हितग्राहियों को 23 लाख 35 हजार रूपये का चेक वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, भैना समाज के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने रेडी-टू-ईट उत्पादन यूनिट का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा की दिशा में एक और नई पहल की शुरुआत हुई है। वन मंत्री एवं दंतेवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज जिले के कुआकोंडा विकासखंड में शनिवार को दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित रेडी-टू-ईट पोषण आहार उत्पादन यूनिट का शुभारंभ बड़े उत्साह और पारंपरिक श्रद्धा के साथ किया। वन मंत्री कश्यप ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर फीता काटकर यूनिट का उद्घाटन किया और बटन दबाकर मशीनों को चालू किया। उन्होंने उत्पादन और पैकेजिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा तैयार हो रहे रेडी-टू-ईट पैकेटों की गुणवत्ता भी देखी।

अपने संबोधन में मंत्री कश्यप ने दंतेश्वरी महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को बधाई देते

हुए कहा कि यह दंतेवाड़ा जिले के लिए गर्व का विषय है कि अब जिले में ही पौष्टिक आहार का उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव महिलाओं की जागरूकता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। शासन की योजनाओं से प्रेरित होकर आज महिलाएँ लखपति दीदी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी से पोषणयुक्त आहार को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की।

मंत्री कश्यप ने इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महिला कोष ऋण योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की जानकारी दी और महिलाओं से इनका अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि इस यूनिट से तैयार रेडी-टू-ईट आहार का वितरण कुआकोंडा, किरंदुल, कटेकल्याण और बड़ेगुडरा परियोजनाओं के अंतर्गत किया जाएगा। इस पहल से लगभग 13,000 बच्चे, 2,000 गर्भवती महिलाएँ और 2,500 शिशुवती माताएँ लाभान्वित होंगी। इससे बच्चों में कुपोषण घटेगा और महिलाओं में एनीमिया की समस्या में कमी आएगी। इस यूनिट के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक लाभ और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। यह पहल दंतेवाड़ा में पोषण, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम मानी जा रही है।

इस अवसर पर विधायक श्री

युक्तियुक्तकरण से शिक्षिका की पदस्थापना से बच्चे उत्साहित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिले के पाली विकासखंड के ग्राम अलगीडाँड़ स्थित प्राथमिक शाला पुरानी बस्ती में युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत नई शिक्षिका के पदस्थ होने से विद्यालय में नई ऊर्जा आई है। विगत कई वर्षों से यह विद्यालय एकल शिक्षकीय संस्था के रूप में संचालित हो रहा था, जहाँ प्रधानपाठक रघुवीर सिंह अकेले सभी कक्षाओं को संभाल रहे थे।

युक्तियुक्तकरण के पश्चात् शिक्षिका इंदु पैकरा के पदस्थ होने से अब शिक्षण कार्य सुचारू एवं प्रभावी हो गया है। विद्यालय में वर्तमान में 63 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं। नई शिक्षिका के आने से विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है। बच्चे अब पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय हो रहे हैं।

प्रधानपाठक रघुवीर सिंह ने बताया कि अतिरिक्त शिक्षिका की नियुक्ति से विद्यालय संचालन में बहुत सुविधा हुई है। वहीं शिक्षिका इंदु पैकरा ने कहा कि बच्चे अब पढ़ाई में अधिक रुचि ले रहे हैं और बेहतर भविष्य के सपने देख रहे हैं।

मानदेय शिक्षकों ने संभाली कमान

डीएमएफ से 118 लेक्चरर, 109 शिक्षक और 243 सहायक शिक्षकों की हुई नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) के माध्यम से शिक्षकों की कमी को दूर किया गया है। इस पहल से अब जिले के दूरस्थ एवं अंतिम छोर के गांवों के विद्यालयों में भी नियमित अध्यापन सुचारू रूप से हो रहा है। डीएमएफ से इस सत्र में कुल 470 शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिसमें 118 लेक्चरर, 109 शिक्षक और 243 सहायक शिक्षक शामिल हैं। साथ ही, विद्यालयों में स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु 310 भृत्यों की भी नियुक्ति की गई है। इससे पहले भी 477 शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया था।

पूर्व में पचरा, श्यांग, कटमोरगा जैसे सुदूर गांवों के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। अब इन विद्यालयों में प्रत्येक विषय के शिक्षक उपलब्ध हैं। शासकीय हाई स्कूल पचरा में अब कोई भी पीरियड खाली नहीं जाता। मानदेय शिक्षिकाएँ अभिलाषा सिंह तंवर और लक्ष्मी कुमारी बताती हैं कि उन्हें शिक्षण का अवसर मिलने से आत्मसंतोष के साथ आर्थिक स्थिरता भी मिली है। वहीं विद्यार्थी विद्या, सुहानी और मानमती का कहना है कि अब सभी विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से होती है।

ग्राम कटमोरगा के प्राथमिक विद्यालय में मानदेय शिक्षिका विमला महंत की नियुक्ति से गांव के 43 विद्यार्थियों की पढ़ाई में निरंतरता आई है। श्यांग हायर सेकेंडरी विद्यालय की शिक्षिका शहनाज परवीन बताती हैं कि अब ग्रामीण क्षेत्र में ही रोजगार और

सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिला प्रशासन ने विशेष पिछड़ी जनजातियों जैसे पहाड़ी कोरवा और बिरहोर समाज के योग्य अभ्यर्थियों को भी प्राथमिकता दी है, जिससे उन्हें शिक्षा क्षेत्र में सहभागिता और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिला है।

इस सत्र में डीएमएफ से नियुक्त अतिथि शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि की गई है। हायर सेकेंडरी व्याख्याताओं को 15,000 रूपए, मिडिल स्कूल शिक्षकों को 13,000 रूपए, प्राथमिक शिक्षकों को 11,000 रूपए और भृत्यों को 8,500 रूपए मासिक मानदेय दिया जा रहा है। इस पहल से न केवल विद्यालयों में अध्यापन व्यवस्था बेहतर हुई है, बल्कि विद्यार्थियों को विषय ज्ञान, समय पर पाठ्यक्रम पूर्णता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ भी मिल रहा है। कोरबा जिले में यह प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त, सर्वांगीण और समावेशी विकास की नई शुरुआत साबित हुआ है।

पंचायत सचिव मोहन पटेल निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत बड़ेलोरम, जनपद पंचायत पिथौरा के सचिव मोहन पटेल को लापरवाही, उदासीनता तथा वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के आरोप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत महासमुंद द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार, पटेल द्वारा ग्राम पंचायत कार्यालय नियमित रूप से संचालित नहीं किया जा रहा था तथा जन्म-मृत्यु पंजीयन, पेंशन भुगतान, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र निर्माण एवं अन्य पंचायत कार्यों में विलंब किया

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा